संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 135 बुधवार 19 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

ATS और DRI को बड़ी कामयाबी

अहमदाबाद में 90 किलो सोना किया जब्त

अहमदाबाद,18 मार्च 2025(ए)। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अवैध सोने की तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। गुजरात एटीएस और डीआरआई ने अहमदाबाद के पालडी इलाके में एक दलाल के घर से छापेमारी कर लगभग 90 से 100 किलोग्राम सोना जब्त किया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित कीमत करीब 83 करोड़ रुपए है।

खुफिया जानकारी मिलने के बाद एटीएस अधिकारी पीआई निखिल और पीआई चावड़ा के नेतृत्व में पालडी में स्थित एक घर पर छापा मारा गया। इस छापेमारी के दौरान अधिकारियों को बिस्कुट के रूप में रखा सोना और अन्य आभूषण मिले हैं। घर से बरामद किए गए सोने के वजन का अंतिम आकलन अभी भी जारी है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार यह करीब 95.5 किलोग्राम (अनुमानित) है। इसके अलावा, 60-70 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की गई।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर-रसूलपुर में यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड हमला करने वाले का एनकाउंटर

जालंधर,18 मार्च 2025(ए)। जालंधर के रायपुर-रसूलपुर में यूट्यूबर रोज़र संधू के घर पर ग्रेनेड हमले के आरोपियों में से एक यमुना नगर के शादीपुर गांव का रहने वाला हार्दिक पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, हार्दिक की टांग में गोली लगी है।

पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपी से वेपन रिकवरी हेतु राजपुर-रसूलपुर के बल्लां क्षेत्र में संपर्क किया। जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया, तो उसने उन पर फायरिंग की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया।

गले में सांप डालकर रील बना रहा युवक,काटने से मौत

शाहजहांपुर,18 मार्च 2025(ए)। शाहजहांपुर के ताजपुर गांव में एक युवक की सांप के काटने से मौत हो गई, लेकिन परिजन इसे मानने को तैयार नहीं थे। रविवार को मुकेश के घर में एक सांप निकला, जिसे उसने पकड़ लिया और खेल-खेल में गले में डालकर रील बनाने लगा। वह पूरे मकान में घूमते हुए वीडियो बनवा रहा था, तभी अचानक सांप ने उसे डस लिया। शुरू में वह सामान्य रहा, लेकिन कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बावजूद परिवार उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक और देसी इलाज में लगा रहा। परिजनों ने उसके शरीर पर जड़ी-बूटी का लेप लगाया और झाड़-फूंक करवाई, लेकिन जब हालत ज्यादा बिगड़ गई, तब उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इंडिया का नाम बदलकर भारत करने की चर्चा तेज

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा,सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का करें पालन...

नई दिल्ली 18 मार्च 2025(ए)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र से कहा है कि वह संविधान में संशोधन करने और 'इंडिया' शब्द के स्थान पर 'भारत' या 'हिंदुस्तान' का इस्तेमाल करने के लिए अभ्यावेदन पर विचार करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश का शीघ्रता से अनुपालन करे। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि वह 2020 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित उस आदेश का शीघ्र अनुपालन करे,जिसमें देश का नाम बदलकर इंडिया से भारत करने के निर्देश की मांग करने वाली याचिका को अभ्यावेदन माना जाए। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने याचिकाकर्ता को इस संबंध में अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति भी दे दी।

जस्टिस सचिन दत्ता नहामा नामक संगठन द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रहे थे, जिसमें केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर अपना अभ्यावेदन तय करने का निर्देश देने की मांग की गई। याचिकाकर्ता का कहना था कि 2020 से अब तक भारत संघ के किसी भी विभाग ने अभ्यावेदन पर न तो विचार किया और न ही उस पर निर्णय लिया। अभ्यावेदन के निपटान के लिए संबंधित मंत्रालयों के समक्ष मामले को

आगे बढ़ाने की अनुमति के साथ याचिका वापस लेने की मांग की। तदनुसार, याचिका को वापस लेते हुए खारिज कर दिया गया।

न्यायालय द्वारा पारित आदेश के शीघ्र अनुपालन

इसमें कहा गया कि केंद्र के वकील को उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के शीघ्र अनुपालन के लिए संबंधित मंत्रालयों को उचित रूप से अवगत कराना चाहिए।

दरअसल याचिकाकर्ता ने शुरू में उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने 2020 में निर्देश दिया था कि याचिका को एक अभ्यावेदन माना जाए, जिस पर उपयुक्त मंत्रालयों द्वारा विचार किया जा सकता है। इसके बाद याचिकाकर्ता नमहा ने वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव सागर के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके प्राधिकारियों को उनके अभ्यावेदन पर निर्णय करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

याचिका में कहा गया है, ''अंग्रेजी नाम 'इंडिया' देश की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है और इसका नाम बदलकर 'भारत' करने से नागरिकों को ÷औपनिवेशिक बोझ÷ से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। इसलिए, याचिका में संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन का अनुरोध किया गया है, जो संघ के नाम और क्षेत्र से संबंधित है।''

तत्कालीन मसौदा संविधान के अनुच्छेद 1 पर 1948 की संविधान सभा की बहस का हवाला देते हुए, याचिका में कहा गया है कि उस समय भी देश का नाम 'भारत' या 'हिंदुस्तान' रखने के पक्ष में ''तेज लहर'' थी। इसमें कहा गया है, ''हालांकि, अब देश को उसके मूल और प्रामाणिक नाम, यानी 'भारत' से पहचानने का समय आ गया है, खासकर तब जब हमारे शहरों का नाम बदला गया है, ताकि उनकी पहचान भारतीय लोकाचार से की जा सके।''

न्यायालय ने दिया आदेश

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि भारत संघ के विद्वान स्थायी वकील सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश/आदेशों के शीघ्र अनुपालन के लिए संबंधित मंत्रालयों को उचित रूप से अवगत कराएंगे।

याचिका में कहा गया है कि एक वर्ष से अधिक समय तक प्रतीक्षा करने के बाद याचिकाकर्ता ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आवेदन दायर किया, जिसमें प्रतिनिधित्व के लंबित रहने और स्थिति के बारे में जानकारी मांगी गई। दिसंबर 2021 में याचिकाकर्ता को सूचित किया गया कि मामला 03 जून 2020 को तत्कालीन एएसजी केएम नटराज को सौंपा गया।

आवेदन को सीपीआईओ, लोकसभा और राज्यसभा को स्थानांतरित किया जा सकता है, क्योंकि भारत संघ को सचिव, संसद भवन के माध्यम से प्रतिवादी के रूप में शामिल किया गया था। इसमें कहा गया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को अपने देश को भारत कहने का समान अधिकार देता है।याचिका में तर्क दिया गया कि अंग्रेजी नाम इंडिया देश की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इसका नाम बदलकर भारत करने से नागरिकों को औपनिवेशिक बोझ से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी।

दिहुली हत्याकांड जिसमें 44 साल बाद आया फैसला

» तब गांव में पैदल ही घूमीं थीं इंदिरा गांधी,3 दोषियों को फांसी की सजा

फिरोजाबाद,18 मार्च 2025 (ए)। फिरोजाबाद के दिहुली हत्याकांड में 44 साल 4 महीने बाद मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुना दिया। वर्ष 1981 में यहां डकैतों के एक गिरोह ने दलितों के गांव पर हमला बोला था और दलितों पर अंधाधुंध गोलियां चलाकर 24 दलितों की हत्या कर दी थी, जबकि कई अन्य दलित भी जख्मी हुए थे, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। कोर्ट ने इस मामले में 3 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है।

गांव में पैदल ही घूमीं थीं इंदिरा गांधी

बता दें कि दलित हत्याकांड से इतना ज्यादा आक्रोश फैला था कि यूपी से लेकर दिल्ली की सरकारें हिल गई थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी दिहुली गांव का दौरा किया था। विपक्ष ने इस नरसंहार को लेकर तब इंदिरा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था।

विपक्ष के नेता बाबू जगजीवनराम ने भी इस गांव का दौरा किया था। इस घटना में कुल 17 अभियुक्त थे, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है,

जबकि 4 बचे आरोपियों में तीन को दोषी ठहराया गया है। जबकि एक को भगोड़ा घोषित किया गया है।

क्या हुआ था 18 नवंबर 1981 को दिहुली गांव में

फिरोजाबाद जिले के जसराना तहसील में दिहुली गांव है, यहां 18 नवंबर 1981 को डकैत संतोष और राधे के गिरोह ने दलितों को गोलियों से भून डाला था। दलितों में फैली दहशत के बीच पुलिस अफसरों ने लंबे वक्त तक गांव में कैंप किया था। गांव में पुलिस चौकी स्थापित की गई थी. एफआईआर के अनुसार, सामूहिक हत्याकांड में ज्यादातर आरोपी डकैत एक ही ठाकुर जाति के थे। दरअसल,डकैतों के गिरोह का एक सदस्य कुंवरपाल दिहुली का निवासी था, वो अनुसूचित जाति का था। जब डकैतों के गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार हुए थे, तो दलितों के इसी गांव के कुछ लोग गवाह बने थे। लिहाजा गैंग को संदेह हुआ कि दलितों के इस गांव से ही मुखबिरी हुई है, जिसके बाद दस्यु की गिरफ्तारी हुई। ऐसे में डकैतों ने बदला लेने की ठानी। इसके बाद सुबह पांच बजे के वक्त हथियारबंद डकैतों के गिरोह ने पूरे गांव पर धावा बोल दिया, जो जहां मिला, उसे वहीं ढेर कर दिया।

NEET Passing Marks: MBBS के लिए 720 में चाहिए इतने नंबर...

NEET UG परीक्षा पैटर्न 2025 में बदलाव

नई दिल्ली 18 मार्च 2025(ए)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) की ओर से आयोजित होने वाली नीट की परीक्षा 4 मई को होगी. स्टूडेंट्स अपनी तैयारी में लगे हैं। परीक्षा पेन-पेपर मोड में होगी. पिछले साल की नीट परीक्षा में काफी बवाल हुआ था। इस साल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा पैटर्न में बदलाव किया है. एनटीए ने साफ किया कि NEET UG 2025 के नंबर बैचलर ऑफ डेंटल स्टडीज (BDS) और बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी कोर्सेस पर भी लागू होंगे।

क्या हुआ है बदलाव

NEET UG परीक्षा पैटर्न 2025 में बदलाव करते हुए, परीक्षा के सेक्शन बी से ऑप्शनल सवाल हटा दिए हैं. अब, NEET UG 2025 प्रश्न पत्र में 180 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे. इसके अनुसार, NEET UG प्रश्न पत्र 2025 में फिजिक्स और केमेस्ट्री सेक्शन में 45-45 प्रश्न होंगे,जबकि बायोलॉजी सेक्शन में 90 प्रश्न होंगे. प्रत्येक अनुभाग 180 नंबरों का होगा और इस प्रकार इस साल भी परीक्षा कुल 720 अंकों के लिए आयोजित की जाएगी।

NEET UG 2025 मार्किंग स्कीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उम्मीदवारों को अभी भी प्रत्येक सही आंसर के लिए चार नंबर दिए जाएंगे और एक प्रश्न का गलत उत्तर देने पर एक नंबर काटा जाएगा। बिना प्रयास किए गए प्रश्नों के लिए कोई नंबर नहीं दिया जाएगा।

कैटगरी वाइज पास होने के लिए चाहिए इतने नंबर

NEET पासिंग मार्क्स के अनुसार,सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को परीक्षा में 50 वां प्रतिशत नंबर लाना जरूरी है। अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति के लिए, योग्यता अंक 40 वां प्रतिशत हैं जबकि शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को 45 वां प्रतिशत नंबर लाने की जरूरत है। NEET UG योग्यता नंबर मूल रूप से NEET UG कट-ऑफ हैं, जिनकी घोषणा NEET UG परिणामों की घोषणा के बाद की जाएगी। पिछले साल, NEET परीक्षा पास करने के लिए सामान्य वर्ग के लिए 720-137 और SC, ST और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) उम्मीदवारों के लिए 136-107 थे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

» WhatsApp और दूरसंचार विभाग ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली 18 मार्च 2025(ए) देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्कैमर्स नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं, खासतौर पर व्हाट्सएप के जरिए वीडियो और वॉयस कॉल या फर्जी मैसेज भेजकर लोगों को जाल में फंसाया जा रहा है. डिजिटल अरेस्ट और फिशिंग जैसे मामले बढ़ने के कारण सरकार अब इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठा रही है।

इसी दिशा में दूरसंचार विभाग (DoT) ने WhatsApp के साथ हाथ मिलाया है, जिससे ऑनलाइन स्कैम और स्पैम मैसेज पर लगाम लगाई जा सके. यह साझेदारी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने और लोगों को सतर्क करने के उद्देश्य से की गई है।

WhatsApp और दूरसंचार विभाग का बड़ा कदम

सरकार और WhatsApp मिलकर एक सुरक्षा अभियान चला रहे हैं, जिसका मकसद लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से

बचाना है। इस अभियान के तहत दोनों मिलकर फर्जी और संदिग्ध मैसेज की पहचान करने, लोगों को इसके बारे में जानकारी देने और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाने के लिए जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। इस पहल के जरिए सरकार डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल कर रही है।

पाकिस्तान से आई सीमा हैदर के घर आई खुशी,बेटी को दिया जन्म

» सोशल मीडिया से होगा नाम का सलेक्शन...

नई दिल्ली 18 मार्च 2025(ए)। पाकिस्तान से भारत आने वाली सीमा हैदर और यहां उनके पति सचिन मीणा एक बार फिर खबरों में हैं। सीमा हैदर और सचिन मीणा के घर मंगलवार सुबह 4 बजे बेटी का जन्म हुआ है। सीमा को अपनी बहन मानने वाले सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने जानकारी दी कि

सीमा सचिन मीणा ने एक प्राइवेट अस्पताल में नॉर्मल डिलीवरी के जरिए बेटी को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे और पूरे परिवार के लिए ये खुशी का अवसर है कि जच्चा बच्चा दोनों ही स्वस्थ हैं। आगे हम नामकरण की प्रक्रिया में लोगों से सोशल मीडिया को जरिए नाम के सजेशन लेंगे। बेटी के जन्म से पहले ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में ही सीमा की गोद भराई की रस्म पूरी हुई थी। इस खास मौके पर सीमा के वकील और मुंह बोले भाई डॉ. एपी सिंह अपनी माता के साथ विशेष रूप से पहुंचे थे। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाकर रस्म को यादगार बनाया। गौरतलब है कि सीमा हैदर पब-जी गेम के जरिए सचिन मीणा के संपर्क में आई थीं। दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा। इसके बाद सीमा अपने चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत आ गई। 10 मार्च को वे नेपाल में मिले। सीमा ने दावा किया कि उस दौरान दोनों ने मंदिर में शादी भी की।

82 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन ने रचा इतिहास

» कमाई में शाहरुख खान को पछाड़ा, टैक्स देने में भी नंबर 1...

मुंबई,18 मार्च 2025(ए)। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने 82 साल की उम्र में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसने सबको हैरान कर दिया। छह दशकों से सिनेमा जगत पर राज करने वाले बिग बी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 350 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की और सरकार को 120 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाकर सबसे ज्यादा कर देने वाले अभिनेता बन गए। इस मामले में उन्होंने किंग खान यानी शाहरुख खान को भी पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस साल 92 करोड़ रुपये का टैक्स अदा किया।

औरंगजेब कब्र विवाद हिंसा के बाद नागपुर के 10 इलाकों में कर्फ्यू

» 65 उपद्रवी हिरासत में... 25 पुलिसवाले घायल

नागपुर,18 मार्च 2025(ए)। नागपुर में औरंगजेब की कब्र को लेकर हुए विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया। नागपुर के महाल में सोमवार रात दो गुटों के बीच हिंसा भड़क गई थी। महाल के बाद देर रात हंसपुरी में भी हिंसा हुई। अज्ञात लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। प्रशासन ने हिंसा के बाद कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। महाल में हुई हिंसा में कई लोग घायल हुए। इनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उग्र भीड़ ने 25 से अधिक बाइक और 3 कारों को आग के हवाले कर दिया। अब तक 60 से 65 दंगाइयों को हिरासत में लिया गया है जबकि 25 से 30 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। यह हिंसा समभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद के बीच हुई। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने इस कब्र को ध्वस्त करने की मांग की थी। दोनों समूहों ने

सोमवार सुबह नागपुर में भी प्रदर्शन किया था, इसके कुछ ही घंटों बाद हिंसा भड़क उठी। नागपुर पुलिस का कहना है कि अफवाहों की वजह से झड़प हुई। नागपुर पुलिस के डीसीपी (ट्रैफिक) अर्चित चांडक ने बताया कि घटना गलतफहमी की वजह से हुई लेकिन स्थिति अब नियंत्रण में है। पत्थरबाजी हो रही थी, इसलिए हमने बल प्रयोग किया और आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया। अपराधियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। नागपुर के पुलिस आयुक्त डॉ. रविंदर सिंघल ने आश्वस्त किया है कि हालात नियंत्रण में हैं। वहीं सीएम फडणवीस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। हिंसा भड़कने के बाद नागपुर के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू की गई है। यह कर्फ्यू कोतवाली,गणेशपेठ,तहसील, लकड़गंज, पचपाओली, शांतिनगर, शक्करदारा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरानगर और कपिलनगर में लागू किया गया है।

संपादकीय

बात टैरिफ से आगे

जब अमेरिका ने अपने यहां बाहरी कंपनियों की पहुंच सीमित या प्रतिबंधित करने की नीति अपना रखी है, भारत के प्रति उसके रुख को मुक्त बाजार की सोच के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। बल्कि इसे जोर-जबरदस्ती कहना ज्यादा ठीक होगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल संभवतः इसी महीने दोबारा अमेरिका जाएंगे। यह संकेत है कि उनकी इस हफ्ते खत्म हुई यात्रा कामयाब नहीं रही। खबरों के मुताबिक गोयल आयात शुल्क में कटौती का जो ऑफर लेकर गए थे, उसे अमेरिका ने अपर्याप्त माना। अब वाणिज्य मंत्री नए प्रस्ताव लेकर जाएंगे। संभवतः अमेरिका भारत में टैरिफ की दर शून्य करवाने पर अड़ा हुआ है। वैसे बात अब सिर्फ टैरिफ की नहीं रही है। इसकी पुष्टि वाणिज्य राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के लोकसभा में दिए बयान से होती है। प्रसाद ने कहा- भारत और अमेरिका टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को घटा कर और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण कर एक-दूसरे के बाजार में अधिक पहुंच पर ध्यान दे रहे हैं।'प्रसाद ने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात कर रहे हैं, जिसके इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। स्पष्टतः अमेरिका ने भारतीय बाजार में पहुंच और अमेरिकी कंपनियों के लिए समान धरातल' हासिल करने के तमाम मुद्दों को भारत के सामने रखा है। उसकी व्यापार एजेंसी पहले ही भारत में- खास कर यहां के औषधि उद्योग में-बौद्धिक संपदा अधिकारों के हनन का आरोप लगा चुकी है। इसके अलावा संकेत हैं कि सरकारी खरीद नीति, देशी कंपनियों को संरक्षण और डब्लूटीओ नियमों के तहत विकासशील देश के नाते भारत को मिले खाद्य सुरक्षा के विशेष अधिकारों के सवाल को भी डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन उठा रहा है। संकेत यह भी है कि इन मामलों में अपनी तमाम शर्तों को मनवाने का रुख उसने अपना रखा है।जिस दौर में खुद अमेरिका ने भूमंडलीकरण की प्रक्रिया को पलटने और अपने बाजार में बाहरी कंपनियों की पहुंच सीमित या प्रतिबंधित करने की नीति अपना रखी है, उस समय उसका यह रुख किसी रूप में मुक्त बाजार की सोच के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। बल्कि इसे जोर-जबरदस्ती के रूप में देखना ज्यादा ठीक होगा। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने इस पर अस्पष्ट रुख अपना रखा है। उधर भारत के कारोबारी सिर्फ अपनी खाल बचा लेने की फिराक में जुटे हैं। जाहिर है, भारत के लोगों के लिए यह चिंतित होने का वक्त है।

इंसानी साँसों की कीमत पर विकास,बदहाल जलवायु

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है,बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन के अविष्कार ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है। क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ-साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के साथ जीव जंतुओं के लिए सर्वाधिक नुकसानदायक साबित हो रहा है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है। शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां ,असुरक्षित और धरती,जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा,।हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय पर यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु,प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है,किंतु जब वायु ,जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा,स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। वातावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, ई कचरा प्रदूषण, अंतरिक्ष प्रदूषण तथा सबसे खतरनाक प्लास्टिक प्रदूषण से बचा कर रखना होगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा। प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्त्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धूंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। जिससे पर्यावरण अत्यंत असुरक्षित हो गया, इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण प्रकृति का तापमान भी अत्यधिक बढ़ गया है, फल स्वरूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को हम बुरी तरह से झेल रहे हैं। हमें पेट्रोल की जगह गैस फ्यूल का उपयोग कर वातावरण को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वातावरण में उपस्थित अवांछित गैसीय पदार्थों के कारण अंधापन ,त्वचा रोग तथा फेफड़ों की बीमारी से होने वाले दमा रोग में बढ़ोतरी हुई है। विगत 2 वर्षों से कोविड-19 के संक्रमण में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को फेफड़ों में स्वच्छ ऑक्सीजन नहीं मिलने से लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त हुए, यह एक पर्यावरण असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण है । रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन में भारी बमबारी तथा गोलीबारी से वातावरण को तहस-नहस कर दिया, वहां कई किलोमीटर क्षेत्र में शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोग मृत्यु की कगार पर पहुंच गए हैं एवं लाखों लोगों ने वहां से पलायन भी किया, यह सब पर्यावरण प्रदूषण के एकदम ताजा उदाहरण है जो मानवीय जीवन के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा भूकंप बाढ़ तथा औद्योगिक कचरे तथा विषाक्त कार्बनिक पदार्थों सहित अन्य उत्पादकों का जल स्त्रोतों में डाला जाना भी पर्यावरण प्रदूषण के लिए भारी खतरा बन गया है, इसी तरह बंदरगहों में रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ, तेल युक्त तरल पदार्थ को समुद्रों में बाहर जाना भी समुद्र में रह रहे जीव जंतुओं के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं। जल प्रदूषण से जल से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू पीलिया, पेचिश तथा उदर रोगों के लिए अत्यंत हानिकारक माना गया है। अन्य प्रदूषण में मृदा प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण आदि वातावरण को प्रदूषित करते पृथ्वी तथा मानव जाति के लिए काल बन चुके हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद पर्यावरण प्रदूषण को कम नहीं किया जा सका है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत की दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी है। और कोविड-19 के संक्रमण के दौरान यहां पर सबसे ज्यादा मौतें पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी हुई है। प्रदूषित वातावरण के कारण बच्चों तथा बुजुर्गों की जिंदगी को सबसे ज्यादा वैज्ञानिकों ने खतरा माना है और ईससे निजात पाने के लिए शुद्ध वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण को सुरक्षित ना रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अतः प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य सोने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी। और यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यदि हमें पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी तथा प्रकृति से हटाना एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखना है तो शासकीय प्रयासों के अलावा हर व्यक्ति को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर जोर देना होगा अन्यथा ओजोन परत के क्षरण के कारण मानव तथा जीव जंतु तथा प्रकृति के प्रति संकट गहराता जाएगा एवं हम पर्यावरण प्रदूषण के सामने हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चिंताजनक है सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग

प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

सरकारी अधिकारियों के साथ बढ़ता दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है, क्योंकि वे अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष और बिना किसी पक्षपात के निभाने का प्रयास करते हैं। कई सिविल सेवकों को अक्सर अपने विकल्पों से असंतुष्ट व्यक्तियों या समूहों से धमकियों, उत्पीड़न और अनुचित दबाव का सामना करना पड़ता है। यह परेशान करने वाली प्रवृत्ति शासन की अखंडता को नष्ट कर सकती है, नैतिक व्यवहार को बाधित कर सकती है और सार्वजनिक संस्थानों को कमजोर कर सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए, नैतिक मानकों को बनाए रखना, कानूनी सुरक्षा प्रदान करना और यह सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत समर्थन प्रदान करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी भूमिका निभा सकें। सरकारों को पारदर्शिता,जवाबदेही और कानून के शासन के प्रति सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही जनता को लोकतंत्र और न्याय को बनाए रखने में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

कानून प्रवर्तन, उद्योग विनियमन और चुनाव निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार सरकारी अधिकारियों को लगातार धमकियों, उत्पीड़न और विभिन्न प्रकार के दुरुपयोग का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है क्योंकि यह लोक सेवकों को अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने से रोक सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है। अधिकारियों, विशेष रूप से चुनाव, न्यायपालिका और नियामक निकायों में शामिल लोगों को अक्सर अपने निर्णयों को प्रभावित करने के उद्देश्य से धमकी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, झूठे आरोप और बदनामी अभियान उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकते हैं और उनके अधिकार को कम कर सकते हैं। हालाँकि कुछ देशों में लोक सेवकों की सुरक्षा के लिए कानून हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रवर्तन असंगत या कमजोर हो सकता है। इस तरह के दुरुपयोग से उत्पन्न तनाव और भय के परिणामस्वरूप बर्नआउट, इस्तीफे और योग्य उम्मीदवारों को आकर्षित करने में चुनौतियाँ हो सकती हैं।

सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती चिंता है, क्योंकि वे निष्पक्ष रूप से अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। इन अधिकारियों के प्रति दुर्व्यवहार और शत्रुता की बढ़ती घटनाएँ प्रशासनिक नैतिकता और कानून के शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती बन गई हैं। ऐसी घटनाएँ न केवल लोक सेवकों का मनोबल गिराती हैं, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी कम करती हैं, जिससे अधिकारियों को इन कठिनाइयों से निपटने में मदद करने के लिए एक मज़बूत नैतिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारी- जिसमें चुनाव कार्यकर्ता,न्यायाधीश, नियामक और कानून प्रवर्तन कर्मियों को बढ़ती हुई धमकी, उत्पीड़न और यहाँ तक कि शारीरिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक विभाजन, ग़लत सूचना और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विभिन्न कारकों से प्रेरित है, जो आक्रामक बयानबाजी को बढ़ाता है। कुछ मामलों में, अधिकारियों को डोक्स किया गया है, उनकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी की गई है और उन्हें संगठित उत्पीड़न अभियानों या शारीरिक हमलों का लक्ष्य बनाया गया है।

शिकायतों के लिए स्पष्ट और खुले चैनल बनाने से शत्रुता को कम करने में मदद मिल सकती है। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली÷ पोर्टल ऑनलाइन नागरिक शिकायतों के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी उपकरण है। संघर्ष समाधान और सार्वजनिक संपर्क में अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने से शत्रुता से निपटने की उनकी क्षमता में सुधार होता है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रशिक्षण ढाँचे में संकट प्रबंधन पर केंद्रित घटक शामिल हैं। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा अनैतिक प्रथाओं को हतोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण है। 2014 का व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट उन लोक सेवकों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है जो ग़लत कामों की रिपोर्ट करते हैं। नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने से विश्वास बढ़ता है और शत्रुता कम होती है। राजस्थान में जन सुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) पहल ने जवाबदेही को बढ़ावा दिया है और समुदाय के भीतर विश्वास का निर्माण किया है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठ सहयोगियों को प्रेरित करने के लिए नैतिक व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने सख्त चुनावी मानकों को लागू करके एक मज़बूत उदाहरण पेश किया। ईमानदारी, लचीलापन और पारदर्शिता को अपनाकर, सिविल सेवक प्रभावी रूप से शत्रुता से निपट सकते हैं और साथ ही जनता का विश्वास भी बढ़ा सकते हैं। कठिन परिस्थितियों में नैतिक शासन बनाए रखने के लिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखना और सक्रिय उपायों को लागू करना आवश्यक है। जब सरकारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने के लिए दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थाओं और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास ख़त्म हो सकता है। यह प्रवृत्ति प्रभावी शासन में बाधा डाल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रतिशोध के डर से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने में संकोच कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार और अन्याय हो सकता है। ऐसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार का सामना करते समय सिविल सेवकों का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक मानकों का विश्लेषण करना और जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के तरीकों की जांच करना महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकारी अधिकारी अपने कार्यों के लिए जवाबदेह हैं और जो लोग अपने अधिकार का दुरुपयोग करते हैं, उन्हें उचित परिणाम भुगतने होंगे, मज़बूत जवाबदेही प्रणाली महत्त्वपूर्ण है। सरकारी गतिविधियों की पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ावा देने से कदाचार को रोकने और सार्वजनिक विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सरकारी संस्थानों की अखंडता में जनता का विश्वास बनाना महत्त्वपूर्ण है, जिसे नैतिक मानकों का पालन करके और अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह सुनिश्चित करके हासिल किया जा सकता है।

अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने का प्रयास करने वाले सरकारी अधिकारियों का उत्पीड़न लोकतंत्र और प्रभावी शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण ख़तरा है। मज़बूत सुरक्षा, कानूनी जवाबदेही और उत्पीड़न के प्रति सामाजिक प्रतिरोध के बिना, सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता खतरे में पड़ जाती है। सरकारों, कानून प्रवर्तन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकें।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता
नकाब में कौन नहीं है ?

घटती-घटना

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

क्या कभी समझ पाये कि
नक़ाब के पीछे कौन झांक रहा,
लूटने हिस्से की खुशियों को
नित्य प्रति कौन ताक रहा,
सब कोई कर रहे स्वांग की तैयारी,
अय्यार हर कोने में बैठा कर रहे अय्यारी,
बेटे का नकाब बाप को नहीं दिख रहा,
खेला जा रहा किरदार
अपने आप को नहीं दिख रहा,
मन में कुछ और,
जीवन में कुछ और,
अपरिचित हैं सभी एक दूसरे से
एक साथ रहकर भी,
दगा झूठ परोस रहे
सच कहता हूं कहकर भी,
नहीं हो किसी को किसी पर यकीन,
कौन उड़ रहा छल के आकाश में
है किसका पैर टिका जमीन,
अधीरता और अविश्वास पर
हर कोई है धंसा हुआ,
दौर ए सियासत के खेल में
हर कोई है फंसा हुआ,
चुप रह कर सब बोल रहे
देखो कोई मौन नहीं है,
पहचान छुपा कर बैठा घाती
देखो नक़ाब में कौन नहीं है।

लघुकथा
गरीबी

प्रियंका देवांगन
गरियाबंद,छत्तीसगढ़

विनी और बिट्टू दोनों भाई-बहन मैले-कुचैले कपड़े पहने थे। हाथों में छोटी-छोटी बोरियाँ थीं। वे कचरे बीनने जा रहे थे। कचरे के ढेर में झिल्ली, प्लास्टिक, लोहा आदि बीनते थे;और उन्हें बेचकर कर अपने खाने की व्यवस्था कर लेते थे। कभी कचरे के ढेर से रोटी के टुकड़े वगैरह या खाने को कुछ मिल जाता था, उसी से पेट भर लेते थे।

बिट्टू बोला-विनी उठो ! आज सबेरे जल्दी जाएँगे, तो हो सकता है कुछ खाने को मिल जाये। कल रात से हम भूखे हैं।

हाँ भैया, मुझे तो रात को भूख के मारे बिल्कुल भी नींद नहीं आयी। विनी बोली।

रास्ते में एक आदमी अपने कुत्ते जैली को लेकर मॉर्निंग वॉक कर रहा था। वह कुत्ते को बिस्किट खिला रहा था। आगे-आगे कुत्ता और पीछे-पीछे आदमी।उसके पीछे थे दोनों भाई-बहन-बिट्टू और विनी। दोनों देख रहे थे;कुत्ता बिस्किट्स को नहीं खा रहा था। वह रास्ते में ही गिरा देता था। गिरि हुई बिस्किट को कभी विनी तुरन्त उठा लेती थी; तो कभी बिट्टू उठा लेता। बिस्किट पाकर दोनों खुश हो जाते थे। आज भूख थोड़ी शांत हुई भैया। विनी बोली।

हाँ विनी, हम रोज ऐसे ही सबेरे जल्दी आया करेंगे। ऐसे ही खाने को हमें रोज मिल सकता है। तभी अचानक उस आदमी ने पीछे मुँड़ कर देखा कि जैली की गिरी हुई बिस्किट्स दोनों बच्चों के हाथों में है। उसने तुरंत दोनों को बिस्किट के टुकड़े नीचे फेंकने को कहा। बच्चे डर गए। फिर दोनों ने बड़े मायूस हो कर बिस्किट के टुकड़े नीचे फेंक दिए।

यह कुत्तों के खाने की बिस्किट्स है; इंसानो के लिए नहीं। कहते हुए उस आदमी ने सारे बिस्किट्स जैली को जबरदस्ती खिला दिया।

एक-दूसरे के चेहरे देख कर विनी और बिट्टू की आँखें भर आई। दोनों भाई-बहन भारी मन से घर लौट रहे थे।

होली के रंग में राजनीति की भंग

भारत में जब कोई किसी को कहता है कि ज्यादा राजनीति मत कीजिए' तो इसका मतलब होता है कि गलत काम मत कीजिए, साजिश या धोखा मत कीजिए, भड़काऊ काम मत कीजिए या लोगों को लड़वाइए मत। सोचें, भारत में राजनीति शब्द कैसे नकारात्मक अर्थों में रूढ़ हो गया है! इस राजनीति का शिकार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था बन रही है तो समाज व्यवस्था और धार्मिक व निजी व्यवहार और तीज त्योहार भी बन रहे हैं। यह अचानक नहीं हुआ है कि इस साल होली से पहले सामाजिक स्तर पर इतना विभाजन दिख रहा है। यहां तक पहुंचने की शुरुआत कई साल पहले हो गई थी। जब सोशल मीडिया में पानी बचाने की सलाह देने वालों को गालियां दी जाने लगी थी, रंग व गुलाल को सनातन धर्म से जोड़ा जाने लगा था और यह व्हाटअबाउटरी शुरू हुई थी कि मुस्लिम त्योहारों पर क्यों नहीं बोलते हो, तभी यह सुनिश्चित कर दिया गया था कि आने वाले दिनों में हमारे त्योहार प्यार, मोहब्बत,भाईचारे, धार्मिकता,आध्यात्मिकता की बजाय नफरत और जहालत का शिकार होने वाले हैं। अब कोई त्योहार इससे अछूता नहीं है क्योंकि सब पर राजनीति की छाया पड़ गई है।अनेक आशावादी लोग कह रहे हैं कि देश के लोग नफरत की राजनीति करने वाले और धर्म के आधार पर समाज को बांटने वाले लोगों को पहचान गए हैं और उनकी साजिशों को विफल कर देंगे। लेकिन यह विशुद्ध सदिच्छा है,जिसका जमीनी वास्तविकताओं से कोई मतलब नहीं है। पहली बात तो यह है कि पूरे कुएं में राजनीति की भंग पड़ी है और दूसरी बात यह है कि सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने या प्यार, मोहब्बत और भाईचारे के उत्सव को या किसी धार्मिक या राष्ट्रवादी आयोजन को नफरत या हिंसा में बदल देने के लिए सभी 140 करोड़ लोगों की जरुरत नहीं होती है। थोड़े से मोटिवेटेड लोग, जो किसी व्यक्ति या किसी पार्टी या किसी संगठन के लिए काम करते हैं वे अपने से थोड़े ज्यादा लोगों के समूह को झूठी,सच्ची भड़काऊ बातों से उकसा सकते हैं और उसके बाद घटनाक्रम पर किसी का जोर नहीं रह जाएगा। ऐसी घटना देश के किसी भी कोने में हो सकती है, जिसका असर पूरे देश के लोगों की मनःस्थिति पर पड़ेगा। मिसाल के तौर पर भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद मध्य प्रदेश के महू में हुई घटना को देख सकते हैं। भारत की जीत की खुशी में पूरा देश जश्न मना रहा था लेकिन एक छोटी सी जगह पर, छोटे से समूह के लोगों की झड़प ने धर्म और संप्रदाय के आधार पर विभाजन को राष्ट्रीय बना दिया।असल में निहित स्वार्थों की सांप्रदायिक राजनीति धीरे धीरे लोगों की सोचने, समझने की क्षमता को,सहनशीलता को और उत्सव की मूल भावना की अभिव्यक्ति को कम करती जा रही है। सवाल है कि इसके लिए किसको दोष दिया जाए? क्या सिर्फ भारतीय जनता पार्टी और उसकी पिछले एक दशक की राजनीति इसके लिए दोषी है या स्वाभाविक रूप से नागरिकों में सांप्रदायिक कट्टरता बढ़ रही है, जिससे सहिष्णुता घटती जा रही है और एक साथ मिल कर सद्भाव के साथ रहने और आपस में मिल कर तीज त्योहार या उत्सव मनाने की स्वाभाविक प्रवृत्ति खत्म होती जा रही है? यह वास्तविकता है कि सांप्रदायिक कट्टरता भारत के समाज में बहुत गहरे जड़ जमाती जा रही है और इसके लिए सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की राजनीति जिम्मेदार नहीं है। उसने तो अपने राजनीतिक लाभ के लिए धर्म के आधार पर विभाजन कराने का प्रयास किया। यह प्रयास भाजपा और उससे पहले भारतीय जनसंघ की ओर से भी किए ही जा रहे थे। लेकिन तब उसमें कामयाबी नहीं मिल पाई थी। पहले कामयाबी क्यों नहीं मिली और अब क्यों मिल गई, इसको लेकर दो तरह की थ्योरी है। एक थ्योरी भाजपा की है, जिसका मानना है कि पहले हिंदू एकतरफा तरीके से बरदाश्त करता रहा। यानी जो सद्भाव समाज में दिख रहा था वह हिंदू के सहिष्णु और उदार होने की वजह से था। इसका मतलब है कि हिंदुओं ने अब सहिष्णुता और उदारता छोड़ दी है तो टकराव बढ़ गया है। दूसरी थ्योरी सेकुलर बिरादरी की है, जिसके मुताबिक सत्ता तंत्र का इस्तेमाल करके राजनीतिक लाभ के लिए व्यवस्थित तरीके से सामाजिक सद्भाव बिगाड़ा जा रहा है। उनके मुताबिक इसके पीछे बड़ी साजिश है।इन दोनों में कुछ कुछ सचाई हो सकती है। इसके बीच एक तीसरी थ्योरी यह बनती है कि पहले सामाजिक विभाजन की कोशिशें इसलिए कामयाब नहीं हो पाती थीं क्योंकि जो लोग इसके प्रयास करते थे वे भी चुनावों के समय ही इसका प्रयास करते थे। यानी विभाजन के प्रयास में निरंतरता और सांस्थायिकता नहीं थी। दूसरे, शहरीकरण बहुत कम था और उपभोक्ता संस्कृति का विकास नहीं हुआ था। इसकी वजह से मनुष्य एकाकी या अरक्षित या बाजार पर निर्भर नहीं था। उसके अंदर सामूहिकता का भाव स्वाभाविक रूप से मौजूद था, जिससे विभाजनकारी और भड़काऊ बातों से उसे प्रभावित करना मुश्किल था। व्यक्ति पर परिवार, समूह और समाज का असर ज्यादा था। तीसरे, आजादी के बाद कई दशकों तक आजादी की लड़ाई के मूल्य जीवित थे। इसके अलावा सामाजिक स्पेस में ईमानदारी, नैतिकता, समझदारी जैसे मूल्य मौजूद थे। चाहे कारोबारी हों या फिल्म व खेल जगत के लोग हों या सामाजिक कार्यकर्ता हों या नौकरीपेशा लोग हों या मीडिया के लोग हों, सबको अपनी जवाबदेही का अहसास था। किसी भी घटना पर तत्काल समझदारी वाली बातें सुनवाई देने लगती थीं। आग में घी डालने की बजाय आग पर पानी डालने वाले लोग ज्यादा सामने आते थे। आज यह स्थिति पूरी तरह से उलट गई है। आज नेता भी भड़का रहे हैं, अधिकारी भी भड़का रहे हैं, मीडिया भी भड़का रहा है, धर्मगुरू भी भड़का रहे हैं इसलिए चारों तरफ आग लगी हुई दिख रही है।

-अजीत द्विवेदी-

कविता
सारे अरमान दफ़्न है...

घटती-घटना

चंद्रकांत खुटे
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

पहले आर्थिक स्थिति ठीक नहीं था
तो घरेलू दशा देख
सारे अरमान को दफना दिया था
किंतु आज भी दफन है
ऐसा नहीं है कि स्थिति ठीक नहीं है
अब आर्थिक स्थिति ठीक हो गयी है
अच्छे खासे कमा लेता हूँ
पर एक पिता हूँ
दो बच्चे के
जिनकी अरमान को पूरा करने
उन्हे सारे सुख देने के लिये
जो मैं नही कर पाया
जो मेरे ख्वाहिशे रही है
वह कमी मेरे बच्चो में न हो
उनके पढ़ने-लिखने से लेकर
तरह-तरह के जरूरतों को
पूरा करने में
आज भी मेरे सारे अरमान दफ़्न है।
जैसे मेरे माता-पिता का दफ़्न था।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

क्या क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने अंतरराज्यीय बस एजेंट व मलिक को यात्रियों को लूटने की छूट दे दी है?

- जिम्मेदार कभी भी बस स्टैंड जाकर यात्रियों से लेने वाले किराए की नहीं लेते जानकारी क्यों?
- क्या बस मालिकों के सामने नासमस्तक है क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी व उनका उड़नदस्ता?
- यदि यात्री को जाना अंबिकापुर है तो रायगढ़ तक का किराया क्या गुंडागर्दी के दम पर वसूला जाता है?
- अंबिकापुर बस स्टैंड में यात्रियों को सीट खाली है कहकर बुलाया जाता है पहुंचने के बाद कहते हैं सीट खाली नहीं है चिरमिरी और रायगढ़ कोटे से मिल सकती है सीट देना पड़ेगा ज्यादा किराया
- यात्री से अतिरिक्त 500 से 1000 लेकर दिया जाता है बसों में सीटःसूत्र

पैसा देने के बाद यात्रियों की स्थिति क्षमता से अधिक बैठे हैं यात्री

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में एक ही अंतरराज्यीय बस स्टैंड है जहां से हर राज्यों के लिए बस जाती है और यात्री भी यहां से हर राज्य में जाने के लिए आते हैं, पर यात्रियों के साथ जो लूट हो रही है उस पर किसी का भी ध्यान नहीं जाता है, यात्री यहां पर बड़े-बड़े बस मालिकों के एजेंट के हाथों लूट जा रहे हैं,ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि जबरदस्ती ही उनसे किराया वसूली की जाती है किराया का दर सूची का पता नहीं जिसे जो पाया जैसे पाया जितना अधिक ले सकते हैं यात्रियों से किराया लेकर उन्हें लूट रहे हैं,यदि यात्री को जाना है अंबिकापुर तो रायगढ़ तक का किराया लिया जाता है, नहीं तो सीट देने से इनकार किया जाता है,रोज नोक झोक की स्थिति निर्मित होती है पर पर जिम्मेदार अधिकारी कभी भी उसे बस स्टैंड पर जाकर यात्रियों के साथ नियम से अधिक किराया लेने की जांच नहीं करते हैं, या कहा जाए तो उनके प्रभाव में इतना दबे हुए हैं की यात्री बस तक जाना उनके सान के खिलाफ है। होली की छुट्टी विताकर आ रहे एक यात्री ने बताया कि औरंगाबाद से मैं बैठा अंबिकापुर के लिए पर मुझे रायगढ़ तक का किराया देना पड़ा क्योंकि उनका कहना था कि रायगढ़ तक का ही किराया लगेगा,अब मुझे आने की मजबूरी थी इस वजह से मुझे रायगढ़ तक का किराया देना पड़ा होली की छुट्टी के बाद बसों में भीड़ थी और बस के एजेंट की मनमानी देखने को मिला, जहां पर एक स्लीपर में दो लोग बैठ कर जाते हैं पैसे देने के बाद वहां पर तीन से चार लोगों को जबरदस्ती बैठाया गया, जिसे लेकर यात्री के बीच नोक झोंक भी देखने को मिले ऐसा लग रहा था कि यात्रियों का शुभ यात्रा नहीं नोक झोक वाला यात्रा बन गया था,जहां पैसे भी ज्यादा लग रहे थे और सीट पर भी क्षमता से ज्यादा लोग बैठ कर जा रहे थे। किराया निर्धारण भी कोई चीज होती है इस नाम का तो पूरी तरीके से माखोल उड़ाया जा रहा था।

यात्रियों की माने तो राजहंस बस पर यात्रियों से जमकर किराया वसूल किया जा रहा है अंबिकापुर से पटना,औरंगाबाद गया रांची जाने वाली बसों में अंबिकापुर से जाने वाले यात्रियों से रायगढ़ एवं चिरमिरी का पैसा वसूला जा रहा है, यात्रियों ने जानकारी देते हुए बताया कि जब हम इनके अंबिकापुर बस स्टैंड के एजेंट मोबाइल नंबरों पर पटना बिहार जाने के लिए टिकट मांगे तो वे कहता हैं कि आप अंबिकापुर आ जाओ पूरी बस खाली है जब हम सब अंबिकापुर पहुंच गए तो उनके एजेंट का बाद व्यवहार तुरंत चेंज हो जाता है दादागिरी पर उतर जाते हैं और कहते हैं कि आपने बात तो किया था लेकिन कुछ पैसा एडवांस डाल नहीं था आप 4 घंटे पहले बात किए थे फिर आपने कुछ बताया नहीं अभी तक हम आपका इंतजार थोड़ी करेंगे स्टैंड में यात्री आ गए और बस फुल हो गई है यहां का कोटा फूल है यदि आपको यात्रा करनी है और सीट चाहिए तो तो मैं चिरमिरी एवं रायगढ़ के कोटे से सीट दे सकता हूं लेकिन किराया में चिरमिरी और रायगढ़ का ही लूंगा...बिचारा लाचार यात्री जो अपने परिवार के साथ यात्रा कर दूसरे प्रदेश जाना चाहता है इनकी मनमानी का शिकार हो जाता है और मुंह मांगा किराया दे देता है ऐसा धोखा देकर लगातार यात्रियों के साथ मनमानी पर राजहंस बस संचालक और उसके एजेंट उतारू है।

बैतूल और उसके परिवार का पटना,रांची गया मार्ग पर एक तरफा दबदबा,भांजा और भतीजा करते हैं यात्रियों से बदसलूकी और अवैध उगाही...

जाना अंबिकापुर तक था पर रायगढ़ तक का दिया गया किराया

ज्ञात हो कि राजहंस बस का संचालक रांची और पटना गया रोड पर अपना वज्र साम्राज्य स्थापित कर रखा है, बिहार झारखंड और छत्तीसगढ़ की सरकारी यात्रियों के सुविधाओं के लिए दर्जनों रिक्तियां परस्पर कार के तहत दे रखी हैं लेकिन इन सभी व्यक्तियों पर पिछले तीन दशक से यह परिवार की काली छाया पड़ी हुई है यही कारण है कि इस मार्ग पर अपना एक छात्र राज स्थापित कर रखा है यात्रियों से बदसलू की मनमाना किराया वसूली और कभी भी कहीं पर भी बसों को खड़ा कर यात्रियों से बदतमीजी करने का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है और छत्तीसगढ़ से भी लगभग रिक्तियों पर इसका कब्जा है, वही बिहार राज्य की रिक्तियां पर भी यही बस मालिक परमिट लेकर बसों का संचालन नहीं कर रहे हैं, नियमों के तहत जिस राज्य का बस मालिक निवासी है वही उसे राज्य की रिक्तियां ले सकता है लेकिन बैतूल और उसके भांजे तीनों राज्य से परमिट लिए हुए हैं और छत्तीसगढ़ सरकार से बाकायदा काउंटर साइन भी करते हैं जबकि वे सभी छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हैं आखिर दूसरे प्रदेशों से यही बस मालिक यदि नियमों के विरुद्ध परमिट ले आते हैं तो हमारी सरकारी काम से कम नियम विरुद्ध काम ना करें और उनके काउंटर साइन ना करें लेकिन राज्य परिवहन प्राधिकार के रायपुर के दफ्तर में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों के कारण यह भ्रष्टाचारी आज भी पनप रहे हैं और यात्रियों से बदसलूकी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं सरकारों ने यात्रियों की सुविधाओं के लिए करीब दर्जन भर बसें संचालित करने के लिए परमिट रूट तय कर रखे हैं लेकिन अपना दबदबा और रोड पर एक तरफा वज्र साम्राज्य स्थापित करने के गरज से बैतूल और उसके भांजे बेसन का परमिट तो ले रखे हैं लेकिन बसों का संचालन नहीं कर रहे हैं जिन बसों का संचालन कर रहे हैं उन पर यात्रियों के साथ मनमानी कर रहे हैं शासन प्रशासन आंख बंद करके इनको लूटपाट की अनुमति दे रखा है ऐसा नहीं है कि यात्री इसकी शिकायत नहीं करते हैं लेकिन प्रदेश के सबसे प्रभावशाली नेता जी का अपने आप को खास बात कर लोगों से कब तक बैतूल और उसका परिवार यात्रियों से बदसलूकी और शोषण करता रहेगा,, माननीय मुख्यमंत्री जी को इस और गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

इंस्टाग्राम के माध्यम से पहले की दोस्ती,फिर युवती से किया बलात्कार

- पीड़िता की रिपोर्ट कर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

युवक ने पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से युवती से दोस्ती किया फिर मोबाइल से बात करने लगा। प्रेम करने व शादी करने का झांसा देकर अंबिकापुर आकर एक होटल में उसके साथ बलात्कार किया। इस दौरान पीड़िता का वह अश्लील वीडिया भी बना लिया। फिर कुछ दिन बाद वीडिया वायरल कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 6 फरवरी को मणिपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह पुलिस को बताया कि इंस्ट्राग्राम के माध्यम से मेरी दोस्ती एक युवक से हुई थी। जो खुद को बैंगलोर का निवासी होना बताया था, जानपहचान होने के युवक पीड़िता से मोबाइल के जरिये बातचीत करता था। 7 दिसंबर 24 को युवक अंबिकापुर आया था और पीड़िता को मिलने के लिए बुलाकर एक होटल में लेजाकर उसके साथ बलात्कार किया था। इस दौरान पीड़िता का अश्लिल वीडिया भी बना लिया था। जिसे कुछ दिन बाद वायरल कर दिया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को बिलासपु से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

लूट के नियत से व्यवसायी के घर में घुसे कट्टे से लैस 4 नकाबपोश

- संवाददाता -
सीतापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासी राइस मिल व ईंट व्यवसायी के मकान में 17 मार्च की रात कट्टे से लैस 4 नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोला। उन्होंने बाहर का गेट खोलकर भीतर प्रवेश किया और चौकीदार को कब्जे में ले लिया। कट्टे की नोंक पर उसे धमकी देकर दरवाजा खुलवाने कहा गया। इस बीच व्यवसायी व उसके परिवार की सूझबूझ से लूट की बड़ी घटना टल गई। अंत में नकाबपोशों को बैरंग लौटना पड़ा। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। रिपोर्ट पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राधापुर निवासी राजेंद्र अग्रवाल की राइस मिल संचालक हैं। उनका ईंट-भट्ठे का भी कारोबार है। 17 मार्च की रात वे अपने परिवार के साथ घर में थे। रात करीब सवा 9 बजे मेन गेट खोलकर कट्टे से लैस 4 नकाबपोश उनके मकान में दाखिल हुए। मकान में घुसते ही उन्होंने गेट के भीतर रहे चौकीदार को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद कट्टे की नोंक पर उससे घर का दरवाजा खुलवाने कहा। कुछ देर तक नकाबपोश उसे धमकी देते रहे। इधर व्यवसायी व उसके परिवार के सदस्यों ने किसी अनहोनी की आशंका पर दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा नहीं खुलने पर वे चौकीदार का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। व्यवसायी के मकान में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। लूट की नीयत से घर में घुसे नकाबपोशों द्वारा चौकीदार को कब्जे में लेने व धमकी देने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। नकाबपोशों के चले जाने के बाद व्यवसायी ने मामले की सूचना सीतापुर थाने में दी। व्यवसायी की रिपोर्ट पर सीतापुर थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखा। हुलिए के आधार पर पुलिस अज्ञात नकाबपोशों की तलाश में जुट गई है। गौरतलब है कि फरवरी माह में सीतापुर निवासी एक व्यवसायी के घर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। एक महीने के भीतर यह दूसरी घटना है।

ग्राम पंचयत ने प्रस्ताव पारित कर तकिया मजार को लिया अपने कब्जे में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

शहर के तकिया में मजार और काली मंदिर है। यहां प्रति वर्ष उर्स मेले का आयोजन किया जाता है। जिसका संचालन अंजुमन कमेटी द्वारा की जाती है। संचालन को लेकर स्थानीय ग्राम पंचायत व अंजुमन कमेटी के बीच विवाद भी चल रहा है। स्थानीय लोग चाहते हैं कि मजार व काली मंदिर का रख रखाव ग्राम पंचायत द्वारा किया जाए। इसे लेकर मंगलवार को ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम सभा बुलाकर तकिया मजार को अंजुमन कमेटी के कब्जा मुक्त कराने का प्रस्ताव रखा गया। जहां सर्व सहमति से प्रस्ताव को पारित करते हुए दरगाह शरीफ तकिया मजार को ग्राम पंचायत ने अपने हैंड ओवर ले लिया है। इसे लेकर स्थानीय लोग व अंजुमन कमेटी के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। तकिया मजार के पास गहमागहमी की स्थिति निर्मित हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया और दोनों पक्षों को थाना लगाया। यहां कोतवाली प्रभारी मनीष सिंह परिहार ने दोनों पक्षों की बाते सूनी और मामले में शांति बनाए रखने की अपील की। ग्राम पंचायत का आरोप है कि मजार और मंदिर के देखरेख का खर्च पंचायत मद से होता था। जबकि अंजुमन कमेटी मजार पर अपना मालिकाना हक जमा बैठी थी। चंदे और चढ़ावे के पैसे को अंजुमन कमेटी रखा करती थी। जबकि ऑडिट रिपोर्ट भी कलेक्टर को कमेटी द्वारा नहीं सौंपा जाता था। जिसका विरोध लंबे समय से ग्राम पंचायत कर रही थी। वही आज ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम सभा बुलाकर तकिया मजार को अंजुमन कमेटी के कब्जा मुक्त कराने का प्रस्ताव रखा गया। जहां सर्व सहमति से प्रस्ताव को पारित करते हुए दरगाह शरीफ तकिया मजार को ग्राम पंचायत ने अपने हैंड ओवर ले लिया है। मामले में जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव का कहना है कि तकिया में मजार व मंदिर है। पूर्व में अंजुमन कमेटी द्वारा संचालित किया जा रहा था। आज से अपने अधिन ले लिए हैं। ग्राम पंचायत के दोनों समुदाय के लोग मिलकर संचालित करेंगे। वहीं अंजुमन कमेटी के सचिव अफजाल का कहना है कितकिया मजार का संचालन अंजुमन कमेटी द्वारा वर्षों से संचालित किया जा रहा है। कमेटी के पास इसका काग्जात भी हैं। अब ग्राम पंचयत इस पर हक जमाना चाहती है।

ताइवान में फिर दिखे चीनी जहाज और ड्रोन,रक्षा मंत्री बोले...क्षेत्र की शांति खतरे में डाल रहा ड्रैगन

ताइपे,18 मार्च 2025। ताइवान के हवाई क्षेत्र और जलक्षेत्र में रविवार और सोमवार को एक बार फिर चीनी सैन्य जहाज, विमान और ड्रोन ताइवान नजर आए। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने यह दावा किया। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर चीनी ड्रोन और जहाजों की कई तस्वीरें साझा कीं। मंत्रालय ने कहा कि 59 में से 43 चीनी ड्रोन और विमान ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में घुसे। हालांकि लेकिन कोई टकराव नहीं हुआ।

मंत्रालय ने कहा ताइवान ने स्थिति पर नजर रखी। जवाब में विमान, नौसेना के जहाज और तटीय एंटी-शिप मिसाइल सुरक्षा तैनात की। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा कि यह अभ्यास इस बात का सबूत है कि चीन समस्या पैदा करने वाला देश है, जो क्षेत्र में शांति को खतरे में डाल रहा है।

चीन आए दिन ऐसे मिशन लॉन्च करके ताइवान की सुरक्षा और मनोबल को कमजोर करने की कोशिश करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि अभ्यास विदेशी मिलीभगत और ताइवान की स्वतंत्रता के समर्थन के लिए एक दृढ़ प्रतिक्रिया है और ताइवान अलगाववादी ताकतों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। माओ ने कहा कि चीन की सैन्य कार्रवाई राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यक, कानूनी उपाय हैं।

ताइवान के राष्ट्रपति ने दी थी चेतावनी

पिछले सप्ताह ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा था कि कहा कि बीजिंग ने संगठित अपराध समूहों, मीडिया और पूर्व सैन्य अधिकारियों की मदद से ताइवान के लोकतंत्र को तोड़ने की कोशिश की है। कहा, चीन हमारे देश में विभाजन, विनाश और तोड़फोड़ जैसी गतिविधियों को तेज कर रहा है, जो काबिले बर्दाश्त नहीं। लाइ ने प्रभावशाली हस्तियों, वर्तमान और सेवानिवृत्त सैन्य सदस्यों द्वारा चीन को रहस्य बेचने के खतरे के बारे में भी चेतावनी दी थी।

चीन ने जी-7 देशों के राजनयिकों के आरोपों की निंदा की

चीन ने जी-7 देशों के शीर्ष राजनयिकों द्वारा लगाए गए आरोपों की कड़ी निंदा की थी। चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि जी-7 के सदस्य देशों के बयान में अहंकार, पूर्वाग्रह और दुर्भावनापूर्ण इरादे हैं। हालांकि, चीन ने इस बयान का विरोध करते हुए किसी भी तरह की जवाबी कार्रवाई की धमकी नहीं दी।बीते दिनों जी-7 ने चीन पर समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने और कुछ अवैध और खतरनाक कार्रवाइयों का आरोप लगाया था।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

» NH 130 पर डांडगांव से कोटमी जाने के दौरान ग्राम दावा के समीप ओवर ब्रिज के पास अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

डांडगांव से दावा के बीच स्थित ओवरब्रिज पर सोमवार दोपहर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डांडगांव निवासी सुनील (पिता सालसाय, उम्र 24 वर्ष) और मुन्ना (पिता कैलाश) कोटमी जंगल में लगी आग बुझाने जा रहे थे। इनमें से पीछे बैठे युवक ने आग बुझाने वाला ब्लोवर पीठ पर लाद रखा था। इसी दौरान दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच ओवरब्रिज पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाने लगी, लेकिन रास्ते में ही एक युवक ने दम तोड़ दिया। उदयपुर पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच जारी है।

नगर पंचायत लखनपुर में पीआईसी सदस्यों की बैठक को लेकर नियमों की अनदेखी का

पार्षद पूनम राकेश साहू लगाया आरोप

- संवाददाता -
लखनपुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले का नगर पंचायत लखनपुर इन दिनों चर्चा में है। पीआईसी सदस्यों के गठन पश्चात प्रथम बैठक को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के ऊपर नियमों के अनदेखी का आरोप पार्षदों के द्वारा लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा पी आई सी में नगर पंचायत उपाध्यक्ष और पार्षद मिलाकर कुल पांच सदस्यों का गठन किया गया जिसका प्रथम बैठक 11 मार्च को किया गया लेकिन मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी के द्वारा पांच पीआईसी सदस्यों के अलावा चार अन्य पार्षदों को पीआईसी सदस्यों में शामिल कर पत्र जारी कर प्रथम बैठक हेतु आमंत्रित किया गया था। जो जन चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं पार्षदों ने आरोप लगाया है की मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा मनमानी तरीके से नियमों को ताक पर रखकर पीआईसी सदस्य बनाकर बैठक हेतु आमंत्रित किया गया था। मुख नगर पालिका अधिकारी के मनमानी रवैया से आमंत्रित पीआई सी सदस्य अपमानित महसूस कर रहे थे। वही मनमानी तरीके से कार्य करने का मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्या सागर चौधरी पर आरोप लगाया है।जबकि नियमानुसार धारा 70 के तहत नगर पंचायत उपाध्यक्ष महिला वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति पार्षद, मिलाकर कुल 5 सदस्यों का गठन किया जाता है। कहीं ना कहीं नगर पंचायत कार्यालय लखनपुर शासन के नियमों से नहीं बल्कि अपने ही नियमों से संचालन होता नजर आ रहा है।

पार्षद पूनम राकेश साहू ने कहा अपमानित महसूस कर रहे...

लखनपुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 से पार्षद पूनम राकेश साहू ने कहा आरोप लगाया है। कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा नियमविरुद्ध तरीके से नियमों को ताक पर रखकर नगर पंचायत लखनपुर में पीआईसी के 9 सदस्य बनाया गया है जबकि धारा 70 के तहत 5 सदस्यो का ही गठन किया जाता है। जबकि 4 अन्य सदस्य जो बनाए गए कही न कही अपने आप में अपमानित महसूस कर रहे हैं। पार्षद पूनम राकेश साहू ने बैठक का बहिष्कार किया है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी ने इस संबंध पूछा गया तो उनके द्वारा कहा गया कि नगर पालिका नियम 1961 की धारा 70 के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा पीआईसी सदस्यों का गठन किया जाता है। पीआईसी के 9 सदस्यों को प्रथम बैठक में आमंत्रित किया गया था।

वहीं पार्षदों के द्वारा जो आरोप लगाया जा रहा है वह निराधार है।

अंबिकापुर में नवीन न्यायालय भवन निर्माण के लिए 0.93 एकड़ भूमि हुआ आबंटित... कलेक्टर ने जारी किया आदेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर जिला न्यायालय अंबिकापुर के नवीन भवन निर्माण के लिए 0.93 एकड़ शासकीय नजूल भूमि का अग्रिम आधिपत्य प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा (अम्बिकापुर) को प्रदान किया गया है । कलेक्टर सरगुजा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिला न्यायालय अंबिकापुर के लिए वर्तमान में उपलब्ध 2.59 एकड़ भूमि के अतिरिक्त 1.5 से 2.0 एकड़ भूमि की आवश्यकता बताई गई थी। इस संदर्भ में शासकीय गुलाब कॉलोनी से लगी 1.8 एकड़ भूमि को चिन्हांकित किया गया था।

नजूल अधिकारी अंबिकापुर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में बताया गया कि नजूल भूमि प्लॉट नंबर 505/5 में से 3.94 एकड़ भूमि चिन्हांकित की गई थी। इसमें से 0.93 एकड़ भूमि, जिसमें 0.20 एकड़ न्यायालय परिसर में स्थित तथा 0.73 एकड़ गुलाब कॉलोनी निर्माण क्षेत्र की भूमि शामिल है, का अग्रिम आधिपत्य प्रदान किया जा सकता है।

हालांकि, भूमि के विधिवत आबंटन की प्रक्रिया में समय लग सकता है। इसलिए नजूल अधिकारी की अनुशंसा के आधार पर अग्रिम आधिपत्य प्रदान किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इस भूमि का उपयोग केवल न्यायालय भवन निर्माण के लिए किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित राशि की मांग पत्र प्राप्त होते ही भुगतान किया जाएगा।

इस निर्णय से अंबिकापुर में नवीन न्यायालय भवन के निर्माण कार्य को गति मिलने की संभावना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को और सुचारू बनाने में सहायता मिलेगी।

पंचायत सचिव अनिश्चितकालीन हड़ताल पर,कामकाज ठप्प

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश ग्राम पंचायत सचिव संघ के आह्वान पर उदयपुर जनपद के 47 सचिव अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे 59 ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनाओं का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। सचिवों की प्रमुख मांग है कि उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गारंटी के तहत किए गए वादे को पूरा किया जाए। सचिवों का कहना है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे 1 अप्रैल 2025 को रायपुर में मंत्रालय का घेराव करेंगे। जनपद परिसर में चल रही इस हड़ताल में सचिवों का आक्रोश साफ नजर आ रहा है। उन्होंने सरकार से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है, ताकि ग्रामीण विकास योजनाओं का संचालन फिर से सुचारु हो सके।

संरक्षक नसीम, नोहर साय, रामबिलास यादव, अध्यक्ष बाबूलाल, सचिव राजेश पैकरा, सदस्य रमेश पाण्डेय, सुरेश, तेज कुमार, खेलो सिंह, शारदा सिंह सहित सभी पंचायतों के सचिव शामिल रहे।

जंगल की आग बुझाने जा रहे,दो युवकों की सडक़ हादसे में मौत जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
उदयपुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर बिलासपुर हाईवे नेशनल एनएच 130 पर वन विभाग में कार्यरत एक दर्दनाक हादसे में दो नवयुवकों की मौत हो गई है। मामला उदयपुर थाना क्षेत्र की है।

घटना मंगलवार दोपहर का है थाना उदयपुर के डांडगांव निवासी सुनील सिंह पिता लालसाय उम्र 24 वर्ष व अभय सिंह पिता कैलाश राम उम्र 18 वर्ष दोनों मोटरसाइकिल में सवार होकर कोटमी जंगल में लगी आग को बुझाने जा रहे थे। पुलिस ने बताया सुनील सिंह वन विभाग में फायर वाचक का कार्य कर रहा था। जंगल में आग कि सूचना मिलने पर ड्यूटी के लिए बाइक क्रमांक सीजी 15 डीफ़ 9024 से गांव का अन्य साथी को साथ में लिए रवाना हुए थे इस बीच थाना से तीन किलोमीटर दूर एनएच 130 दावा ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन चालक लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए ठोकर मार दिया जिस दुर्घटना से सुनील सिंह की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची उदयपुर पुलिस की टीम 112 की वाहन से अभय सिंह को गंभीर अवस्था में सीएससी उदयपुर ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मामले में उदयपुर पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

कंधे पर लेकर जा रहा था मशीन

घटना स्थल में वन विभाग के आग बुझाने के लिए प्रदान किया गया ब्लोअर मशीन मृतक सुनील सिंह अपने कंधे में लादे हुए दुर्घटना में सडक़ पर दम तोड़ दिया। मौके की घटना को देखकर लोगों का दिल दहल उठा। बेलगाम वाहन कई बेकसूर राहगीरों को अपने चपेट में ले रही है।

बीते फरवरी माह से कर रहा था काम

वन विभाग डांडगांव के बीट गार्ड विष्णु सिंह पैकरा ने बताया सुनील सिंह बीते फरवरी महीने से सुरक्षा प्रहरी के सदस्य के रूप में मजदूरी की काम कर रहा था। घटना के बाद मेरे साथ फॉरेस्ट की टीम मौके पहुंच कर जायजा लिया और पीएम करवा कर पंचनामा रिपोर्ट विभाग को भेज रहे हैं।

पुलिस अभिरक्षा से चोरी का आरोपी प्रतिक्षा बस स्टैंड से हुआ फरार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

प्रतिक्षा बस स्टैंड से सोमवार की शाम को पुलिस को चकमा देकर एक आरोपी फरार हो गया। पुलिस अभिरक्षा से फरार आरोपी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बाइक चोरी के मामले में जशपुर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण सीतापुर में होने के कारण पुलिस दोनों आरोपियों को पेश करने एसडीएम न्यायालय सीतापुर लेकर पहुंची थी।

जहां मजिस्ट्रेट उपस्थित नहीं होने के कारण पुलिस दोनों आरोपियों को पेश करने अंबिकापुर सीजीएम कोर्ट लेकर आ रही थी। पुलिस दोनों आरोपियों को सीतापुर से बस से अंबिकापुर प्रतिक्षा बस स्टैंड पहुंची थी। इस दौरान पुलिस को चकमा देकर आरोपी छोटे गुड्डू उर्फ अकरम खान फरार हो गया। रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस अभिरक्षा से फरार आरोपी के खिलाफ धारा 262 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर तलाशी कर रही है।

अप्राकृतिक यौन उत्पीडिऩ के मामले में एक आरोपी को सश्रम कारावास की सजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

अनुसूचित जनजाति बालक के साथ अप्राकृतिक यौन उत्पीडिऩ के मामले में फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट ने आरोपी को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं कोर्ट ने पीड़ित क्षतिपूर्ति निधि से पीड़ित बालक को 5 लाख रुपए क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने की अनुशंसा की है। लोक अभियोजक विद्याभूषण श्रीवास्तव के अनुसार स्कूल के चपरासी संजय नामदेव ने पहले अनुसूचित जनजाति के नबालिग बालक से पहले दोस्ती की। इसके बाद अपने साथी अशोक चौधरी पिता शिवधारी राम चौधरी उम्र 20 वर्ष नर्मदापुर वार्ड क्रमांक 8 मांझापारा थाना कमलेश्वरपुर के साथ मिलकर नबालिग बालक को जगह-जगह लेजाकर कई बार उसके साथ अप्राकृतिक यौन उत्पीडिऩ करता था। आरोपियों ने घटना का वीडिया बनाकर वारल करने की धमकी देकर रुपए की मांग करते थे। आरोपियों के यैन प्रताडऩा से परेशान होकर बालक ने 27 अक्टूबर 2015 को मामले की जानकारी अपनी मां को दी। इसके बाद परिजन ने 29 नवंबर को मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस शून्य पर अपराध दर्ज कर विवेचना के लिए अजाम थाना अंबिकापुर भेज दिया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। वहीं मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो एक्ट) अंबिकापुर में चल रहा था। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायाधिश कमलेश जगदल्ला ने साक्ष्य के आधार पर आरोपी अशोक चौधरी के खिलाफ धारा 377, 386, 506, 342, 3 (क)/4, 5 (छ) (ठ)/6 एवं 3(2-5) में दोषी पाए जाने पर 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं कोर्ट ने पीड़ित क्षतिपूर्ति निधि से पीड़ित बालक को 5 लाख रुपए क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने की अनुशंसा की है।

नप मनेन्द्रगढ़ के संचालन को सुदृढ़ बनाने के लिए नप अधिनियम 1961 की धारा 70 नियम 4 के तहत प्रेसीडेन्ट-एन-काउन्सिल का किया गया गठन

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़, 18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिका मनेद्रगढ़ के संचालन को और सुदृढ़ बनाने के लिए नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 70 नियम 4 के तहत प्रेसीडेन्ट-एन-काउन्सिल का गठन किया गया है। इस प्रेसीडेन्ट-एन-काउन्सिल की स्थापना का उद्देश्य नगर पालिका के विभिन्न विभागों में समन्वय स्थापित करना और उनकी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना है।

इस संदर्भ में,नगर पालिका परिषद मनेद्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव ने 07 पार्षदों को विभिन्न विभागों का प्रभारी नियुक्त किया है, ताकि प्रत्येक विभाग में जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनी रहे। नपा अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव द्वारा जारी की गई सूची में 07 पार्षदों को उनके संबंधित विभागों का प्रभारी बनाया गया है। यह कदम नगर पालिका मनेद्रगढ़ के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और कार्यों की गति बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सभी नवनियुक्त प्रभारी अपने-अपने विभागों में कार्यों की समीक्षा करेंगे और उन्हें बेहतर बनाने के लिए योजनाओं पर काम करेंगे। यह नगर पालिका की कार्यप्रणाली को पारदर्शी और नागरिकों के प्रति जिम्मेदार बनाने में मदद करेगा। इसके अलावा, इन विभागों में सुधार के साथ-साथ शहर के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाएगा, जिससे मनेद्रगढ़ नगर की सेवा और बुनियादी ढांचे को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

भवन निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी

पार्षद श्रीमती सुनैना विश्वकर्मा को आवास एवं पर्यावरण तथा लोकनिर्माण विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस विभाग के तहत शहर के निर्माण कार्यों,सड़कों की मरम्मत,भवन निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी होगी।

जल संकट की समस्या से निपटने के लिए कई पहल की जाएगी

पार्षद दयाशंकर यादव को जलकार्य विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। जलप्रदाय, जलसंचयन और जलविभाग की योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख दयाशंकर यादव करेंगे। इसके अलावा, जल संकट की समस्या से निपटने के लिए कई पहल की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने

पार्षद ओमप्रकाश जायसवाल को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस विभाग के तहत मनेद्रगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने, अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने, और स्वच्छता अभियानों पर ध्यान दिया जाएगा।

पुनर्वास एवं नियोजन कार्यों की जिम्मेदारी

पार्षद श्रीमती सुशीला सिंह को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और पुनर्वास एवं नियोजन विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। खाद्य वितरण, राशन की दुकानों की निगरानी और नागरिक आपूर्ति योजनाओं के साथ-साथ पुनर्वास एवं नियोजन कार्यों की जिम्मेदारी श्रीमती सुशीला सिंह के कंधों पर होगी।

प्रशासनिक कार्यों की निगरानी और विधिक समस्याओं का समाधान

पार्षद श्रीमती हसीना बेगम को विधि और सामान्य प्रशासन विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस विभाग के तहत नगर पालिका के प्रशासनिक कार्यों की निगरानी और विधिक समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

महिला और बालकों के कल्याण के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन

पार्षद श्रीमती शांता जायसवाल को शिक्षा और महिला एवं बाल कल्याण विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, महिला और बालकों के कल्याण के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन इस विभाग की प्राथमिकता होगी।

बाजारों की निगरानी और दुकानदारों के लिए उचित व्यवस्था की जिम्मेदारी

पार्षद सपन महतो को राजस्व और बाजार विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस विभाग के तहत नगर पालिका के राजस्व संग्रहण, बाजारों की निगरानी और दुकानदारों के लिए उचित व्यवस्था बनाई जाएगी।

सोनहत में स्वास्थ्य विभाग में अवैध वसूली का बड़ा खुलासा,कार्रवाई की मांग तेज

-संवाददाता-
सोनहत,09 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जिला कोरिया के सोनहत विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग में हो रही अवैध वसूली का सनसनीखेज मामला उजागर किया है। संघ ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को पत्र लिखकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष श्री रविंद्र तिवारी ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि सोनहत के विकासखंड डाटा प्रबंधक (संविदा) शिवम गौतम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) से अवैध रूप से वसूली कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ब्लॉक में तैनात 13 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि के भुगतान में जबरन अवैध कटौती की जा रही है। इस राशि का 65 प्रतिशतहिस्सा खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत के नाम पर मांगा जा रहा है।

धमकी देकर की जा रही अवैध वसूली

संघ के अनुसार, शिवम गौतम द्वारा सीएचओ कर्मचारियों को एपीएआर(सीआर) खराब करने और नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कर्मचारियों पर मानसिक दबाव बनाकर उनकी प्रोत्साहन राशि से अवैध वसूली की जा रही है। यदि कोई कर्मचारी इस अवैध मांग को पूरा नहीं करता है, तो उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है।

प्रमाणों के साथ कार्रवाई की मांग

संघ ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक सक्षम जांच समिति के गठन की मांग की है, जिसमें संघ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। संघ ने यह भी कहा है कि उनके पास कॉल रिकॉर्डिंग, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के स्क्रीनशॉट और अन्य दस्तावेजों के रूप में पुख्ता सबूत मौजूद हैं, जिन्हें जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

संघ ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर इस मामले में उचित जांच और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन उग्र और चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संघ ने इस मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत को निलंबित करने और विकासखंड डाटा प्रबंधक शिवम गौतम की संविदा सेवा समाप्त करने की भी मांग की है।

स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। कर्मचारी संघ की इस गंभीर शिकायत ने शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होती है या नहीं।

सूरजपुर पुलिस कर रही सख्ती से कोटपा एक्ट की कार्यवाही

स्कूलों के आस-पास गुटखा व तम्बाकू बेचने वालों पर पुलिस का शिकंजा,1967 दुकानदारों पर हुई कार्यवाही

-संवाददाता-
सुरजपुर,18 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ''नवजीवन'' के अंतर्गत, पुलिस ने स्कूलों के आस-पास गुटखा और तम्बाकू बेचने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को स्कूल-कालेज के आसपास,सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू बेचने और धूम्रपान करने तथा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को गुटखा और तम्बाकू बेचने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में जिले के थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा व्यापक अभियान चलाया। वर्ष 2024 में अभियान के दौरान पुलिस ने स्कूलों के नजदीक गुटखा और तम्बाकू बेचने वाले 1967 दुकानदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की। सभी दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही कर 3 लाख 64 हजार 7 सौ 50 रूपये की फाईन की गई।

यह अभियान बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से चलाया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान जारी रहेंगे और जो लोग कानून का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

अपनी मांगों को लेकर सैकड़ो शिवसैनिकों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

-संवाददाता-
सुरजपुर-प्रेमनगर, 18 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

शिवसेना (उद्धव गुट) ने जिला अध्यक्ष विष्णु वैष्णव और ग्रामीण जिला अध्यक्ष हेमंत महंत के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर प्रेमनगर में प्रदर्शन किया प्रदर्शन के पश्चात शिवसेना ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार के हाथों ज्ञापन सौंपा।इस दौरान शिवसेना नेताओं ने कहा कि भ्रष्टाचार के कई मामले लगातार आ रहे हैं परंतु शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होता है,जिससे बाध्य होकर हमलोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। हमारी मांगों पर प्रशासन तत्काल जांच और कार्रवाई करे, अन्यथा आगे और बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मांग पत्र में धान उपार्जन केंद्र चंदननगर में हुए करोड़ों के घोटाले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया जबकि कई सबूतो को नष्ट किए जाने की आशंका है क्या खाद्य अधिकारी के संरक्षण में धान उपार्जन केन्द्रों में घोटाला किए जा रहे हैं..? जिस पर तत्काल जांच और सभी जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई करने, दूसरे राज्यों से आए लकड़ी तस्करों के द्वारा बिना परमिशन के लकड़ी तस्करी पर रोक लगाने। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहाईकाओं की भर्ती में हुई अनियमितता के जिम्मेदारों की जांच और कार्रवाई करने।

अंग्रेजी शराब दुकान को। शहर से दूर ले जाने जैसी मांगें शामिल हैं। मौके पर शिवसेना के जिला अध्यक्ष विष्णु वैष्णव,ग्रामीण जिला अध्यक्ष हेमन्त कुमार महंत,जिला सचिव डॉ आर.एस पटेल,जिला प्रवक्ता उमेश चन्द्र लाल श्रीवास्तव (भूतपूर्व सैनिक) ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह टेकाम, नगर अध्यक्ष साहिल खान,महिला जिला अध्यक्ष पिंकी पटेल,ब्लॉक अध्यक्ष प्रतापपुर आनंद कुमार,ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान कामता प्रसाद सैनी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष जय सोनवानी (सरगुजा) अहिबरन सिंह, दिल साय,भगवान प्रसाद, देवधान,बलदेव राम, मथुरा, जागेश्वर,कुहील यादव, रश्मि पावले, कुमारी कृष्णा, रजमनिया सिंह,प्रभा सिंह,सहित अन्य शिव सैनिक् मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग,सूरजपुर,छ0ग0
//ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना//
eProcurment Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165874 निविदा सूचना क्र0 19/वलेलि/2024-25, दिनांक 12/03/2025
निम्नलिखित कार्यो के लिये दिनांक 02.04.2025, (17:30 बजे) तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-
कार्य का नाम : भेड़िया जलाशय योजना का जीर्णोद्वारा कार्य के साथ बंड का मरम्मत, सी0सी0 लाईनिंग, व्ही0आर0बी0 क्रास ड्रेनेज और आउटलेट का निर्माण कार्य।
अनुमानित लागत : रू0 161.60 लाख
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट http://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19/03/2025, समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट - http://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की पंजीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2.निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर 01.08.2010 (संशोधित 01.08.2022)।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, सूरजपुर,छ0ग0
कृते अधीक्षण अभियंता श्याम बरनई
परियोजना मण्डल,अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा,छ0ग0

जी नंबर-242505985/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0./ / अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जयप्रकाश सोनार आ0 श्री बाबूलाल सोनी, जाति सोनार, निवासी ग्राम मानपुर सूरजपुर, तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोपालपुर प0ह0नं0 09, रा0नि0मं0 सूरजपुर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 542/2 रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 20/03/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/03/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0./ / अ-20(30)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फरीदा खानम पति कमालुद्दीन आयु लगभग 46 वर्ष निवासी जायसवाल मित्र के पीछे अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की मोहल्ला खुटेनपारा नगर अम्बिकापुर सीट नम्बर-02 स्थित भूखण्ड क्रमांक 381/4 रकबा 546.89 वर्गफ़ीट भूमि को मकान बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

अतः उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 04/04/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निरापद राय पिता स्व0 सुरेन्द्र नाथ जाति नमोशुद निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 471/29 रकबा 0.620 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक (पिकनिक हाट एवं होली डे रिसार्ट) प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 20/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	165637 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला धमतरी के भखारा-बगदेही-कुरूद मार्ग लंबाई 14.00 कि.मी. (2लेन) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, पुल पुलिया सहित।	3517.39
2	165728 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	संभागीय कार्यालय मुख्यालय दुर्ग में 750 सीटर ऑडिटोरियम भवन के निर्माण कार्य की वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, फायर फाईटिंग, हार्वेस्टिंग, पहुंच मार्ग , लैण्ड स्कैपिंग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य। शेष कार्य।	1014.78
3	165753 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला कबीरधाम के मुख्य सड़क से दामापुर बारेजहा से भरेवापारा करपी तक मार्ग लंबाई 5.50 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 4.50 कि.मी.) का पुल पुलिया सहित निर्माण का कार्य।	560.27
4	165725 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	1) जिला-जशपुर के ग्राम चटकपुर से नगेरा टुकु होते हुए दुलदुला महाविद्यालय पहुंच मार्ग लं. 2.925 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2) जिला एन.एच.-43 से दुलदुला मार्ग के ग्राम खुंटीटोली से जोगतला पहुंच मार्ग लं. 3.23 कि.मी. का निर्माण कार्य।	542.61
5	165712 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के कामेश्वरनगर से कुशफर-झारा तक मार्ग लंबाई 9.55 कि.मी. निर्माण कार्य।	1104.40
6	165718 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के औंधी में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं विद्युतीकरण सहित शेष निर्माण का कार्य।	299.16
7	165731 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला सरगुजा के प्रतापपुर मेन रोड से आसडांड घंघरी मार्ग लं. 2.35 कि.मी. का निर्माण कार्य।	253.96
8	165743 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	तीर्थस्थल सोनकुण्ड पहुंच मार्ग लंबाई 4.275 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 1/2 से 4/10 = 3.825) कि.मी. का निर्माण कार्य।	394.69
9	165744 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला सरगुजा के कटकोना शिवान (चिटकी खार) से परसोड़ी पहुंच मार्ग लंबाई 4.05 कि.मी. का निर्माण कार्य।	494.91
10	165747 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला जशपुर के रायडीह-डेम्बूलोगरा-बरटोली पहुंच मार्ग लंबाई 2.38 कि.मी. निर्माण कार्य।	209.99
11	165748 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला सरगुजा के डड़हौली से उदारी मोड़ मार्ग लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	412.01
12	165759 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के सनावल-पचावल-त्रिसूली मार्ग लंबाई 10.30 कि.मी. निर्माण कार्य।	1891.89
13	165754 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला धमतरी के नारी पुल से परसट्टी मार्ग लंबाई 3.50 कि.मी. का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, पुल-पुलिया सहित। धमतरी संभाग।	530.42
14	165755 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	हिर्री से बिल्हा पहुंच मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1007.57
15	165761 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	तखतपुर में नवीन व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स. से.फि. विद्युतीकरण, बाऊण्ड्रीवाल एवं पहुंच मार्ग सहित निर्माण कार्य।	774.93
16	165762 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	जिला गरियाबंद के देवभोग में नवीन व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग्स , रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित।	612.83
17	165764 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	औरदा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय से शासकीय गोदाम तक मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	264.21
18	165765 प्रथम आमंत्रण 07.03.2025	मुख्य मार्ग से मोतिमपुर (अमरटापू) पहुंच मार्ग लंबाई 4.90 कि.मी. का चौड़ीकरण निर्माण कार्य।	774.95

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 01 से सं.क. 03 , सं.क. 05 से सं.क. 06 दिनांक 28.03.2025 , सं.क. 15 से सं.क. 18 दिनांक 02.04.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 01.04.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर,अटल नगर

जी नंबर-242505983/6

CMYK

क्या CMHO रिश्वत लेने वाले कर्मचारी पर कार्यवाही से घबरा रहे?

विकास खंड प्रबंधक पर 84 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप...शिकायत वापस लेने का बना रहे दबाव... रिश्वत लेने की सारा प्रमाण होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही के अनुशंसा क्यों नहीं कर रहा?

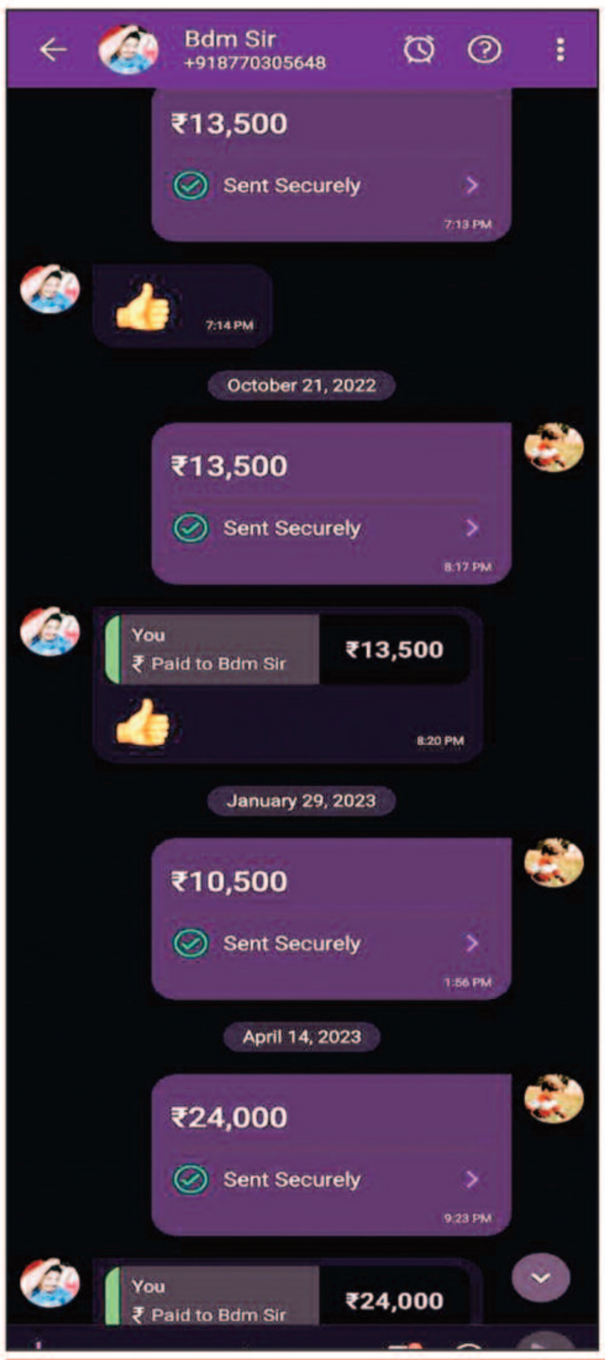

-रवि सिंह-
कोरिया/सोनहत,18 मार्च 2025 (घटती-घटना)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में कार्यरत एक सीएचओ ने विकास खंड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम पर 84 हजार रुपये रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता सत्यदीप भगत ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एंटी करप्शन ब्यूरो को लिखित शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने रिश्वत न देने पर वेतन रोकने और नौकरी से निकालने की धमकी देने की बात कही है। सारे प्रामाणिक दस्तावेज के साथ खाते में पैसे का लेनदेन सहित कई तथ्य होने के बावजूद कोरिया के सीएमएचओ साहब अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कर पाए, यहां तक की इस मामले के लिए जांच टीम भी गठित नहीं कर पाए, आखिर ऐसा क्या वजह है कि कोरिया के सीएमएचओ साहब इस मामले में लेट लतीफ कर रहे हैं? क्या वह आरोपी को प्रार्थी पर दबाव बनाने के लिए मौका दे रहे हैं ताकि वह शिकायत वापस ले ले और वह कार्रवाई से वह बच जाए?

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 तक की कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि (पीएलपी) का सत्यापन होने के बाद जब उन्होंने भुगतान की जानकारी ली, तो विकास खंड प्रबंधक ने 99,900 रुपये में से 84,000 रुपये रिश्वत के रूप में मांगे। जब उन्होंने देने से इनकार किया, तो उन्हें धमकी दी गई कि उनका भुगतान रोक दिया जाएगा और उनकी नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। यह पैसा शासकीय पैसा है पर इस पैसे में हुए बंदर बाट पर जहां त्वरित कार्रवाई होनी थी वहां पर अभी तक जांच टीम गठित ना हो पाना भी कहीं ना कहीं इस मामले को दबाने का प्रयास माना जा रहा है। जिस प्रकार से रिश्वत लेने की शिकायत आई है, शिकायत के बाद इस बात का भी अनुमान लगाया जा रहा है कि साल में कितने लाख रुपए के शासकीय पैसे का दुरुपयोग किया गया है और ऐसा ही कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी हुआ होगा, यदि इस पर कार्यवाही होती है तो इस प्रकार का भ्रष्टाचार से बचा जा सकता है और शासकीय पैसे का दुरुपयोग को भी बचाया जा सकता है।

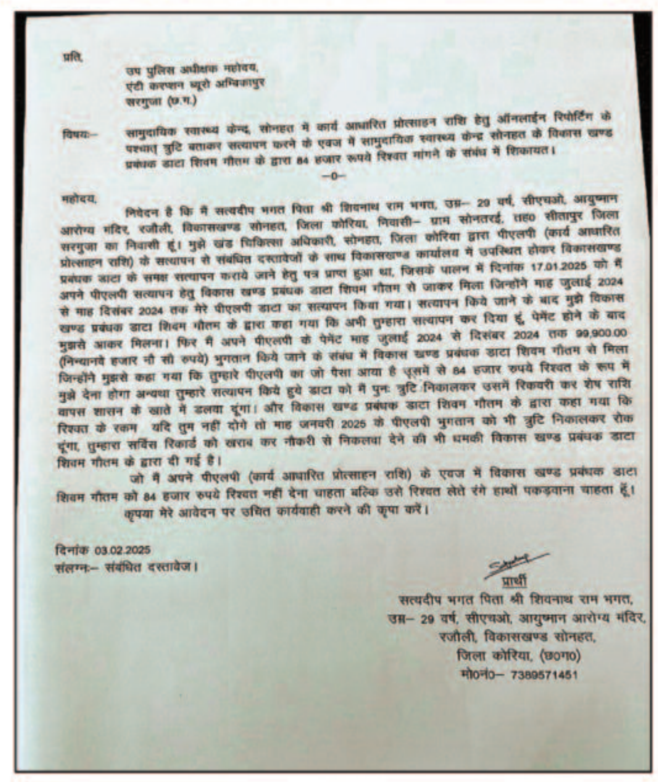
प्रति,
उप पुलिस अधीक्षक महोदय,
एंटी करप्शन ब्यूरो अम्बिकापुर
सरगुजा (छ.ग.)

विषयः- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोनहत में कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि हेतु ऑनलाईन रिपोर्टिंग के पश्चात् त्रुटि बताकर सत्यापन करने के एवज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनहत के विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम के द्वारा 84 हजार रूपये रिश्वत मांगने के संबंध में शिकायत।
-0-

महोदय,
निवेदन है कि मैं सत्यदीप भगत पिता श्री शिवनाथ राम भगत, उम्र- 29 वर्ष, सीएचओ, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, रजौली, विकासखण्ड सोनहत, जिला कोरिया, निवासी- ग्राम सोनतराई, तह० सीतापुर जिला सरगुजा का निवासी हूं। मुझे खंड चिकित्सा अधिकारी, सोनहत, जिला कोरिया द्वारा पीएलपी (कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि) के सत्यापन से संबंधित दस्तावेजों के साथ विकासखण्ड कार्यालय में उपस्थित होकर विकासखण्ड प्रबंधक डाटा के समक्ष सत्यापन कराये जाने हेतु पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके पालन में दिनांक 17.01.2025 को मैं अपने पीएलपी सत्यापन हेतु विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम से जाकर मिला जिन्होंने माह जुलाई 2024 से माह दिसंबर 2024 तक मेरे पीएलपी डाटा का सत्यापन किया गया। सत्यापन किये जाने के बाद मुझे विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम के द्वारा कहा गया कि अभी तुम्हारा सत्यापन कर दिया हूं, पेमेंट होने के बाद मुझसे आकर मिलना। फिर मैं अपने पीएलपी के पेमेंट माह जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 तक 99,900.00 (निन्यानबे हजार नौ सौ रुपये) भुगतान किये जाने के संबंध में विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम से मिला जिन्होंने मुझसे कहा गया कि तुम्हारे पीएलपी का जो पैसा आया है उसमें से 84 हजार रुपये रिश्वत के रूप में मुझे देना होगा अन्यथा तुम्हारे सत्यापन किये हुये डाटा को मैं पुनः त्रुटि निकालकर उसमें रिकवरी कर शेष राशि वापस शासन के खाते में डलवा दूंगा। और विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम के द्वारा कहा गया कि रिश्वत के रकम यदि तुम नहीं दोगे तो माह जनवरी 2025 के पीएलपी भुगतान को भी त्रुटि निकालकर रोक दूंगा, तुम्हारा सर्विस रिकार्ड को खराब कर नौकरी से निकलवा देने की भी धमकी विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम के द्वारा दी गई है।
जो मैं अपने पीएलपी (कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि) के एवज में विकास खण्ड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम को 84 हजार रुपये रिश्वत नहीं देना चाहता बल्कि उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता हूं।
कृपया मेरे आवेदन पर उचित कार्यवाही करने की कृपा करें।

दिनांक 03.02.2025
संलग्नः- संबंधित दस्तावेज।

प्रार्थी
सत्यदीप भगत पिता श्री शिवनाथ राम भगत,
उम्र- 29 वर्ष, सीएचओ, आयुष्मान आरोग्य मंदिर,
रजौली, विकासखण्ड सोनहत,
जिला कोरिया, (छ०ग०)
मो०नं०- 7389571451

शिकायत के बाद भी अभी तक नहीं हुई जांच टीम गठित क्यों?

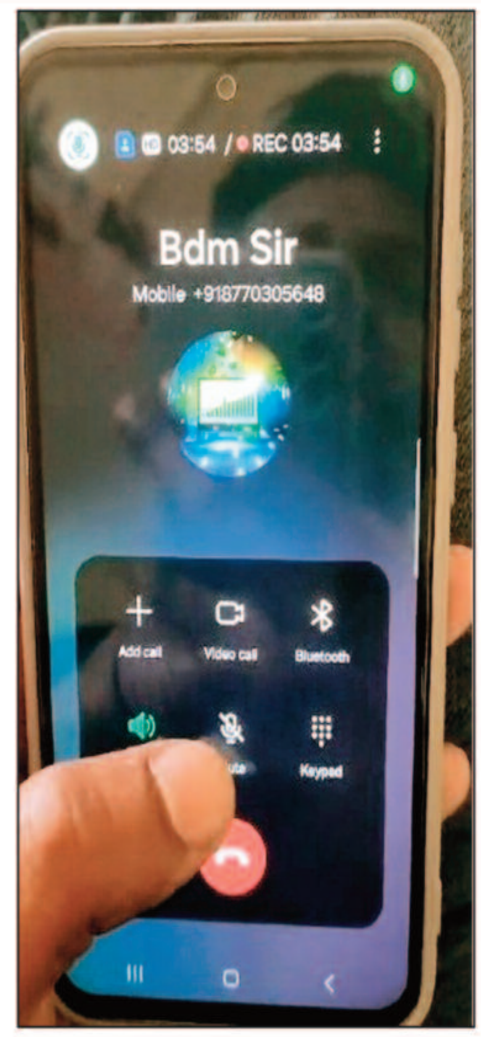

क्या होगी कार्रवाई?

इस मामले ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन,स्वास्थ्य विभाग और एंटी करप्शन ब्यूरो इस पर क्या कार्रवाई करते हैं। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा जाए,ताकि सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके।

शिकायत वापस लेने का दबाव,आरोपी खुद पहुंचा घर

रिश्वत की शिकायत सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आरोपी शिवम गौतम अपने पिता और बहन के साथ शिकायतकर्ता के घर पहुंचा और शिकायत वापस लेने की गुहार लगाने लगा। उसने यह भी कहा कि अगर शिकायत वापस ली जाती है, तो वह ली गई राशि वापस कर देगा।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठे सवाल

आरोपी के खिलाफ शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सीएमएचओ कार्यालय ने न ही जांच टीम गठित की है और न ही कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। इससे पहले भी एनएचएम में अवैध वसूली के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता से ऐसे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

अगस्त से कई जांचें लंबित

सीएमएचओ कार्यालय में अगस्त 2024 से कई जांच लंबित हैं। आरोप है कि सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह खुद इन मामलों को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। जिन मामलों में जांच की जरूरत है,उन्हें जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है,जिससे भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने की रणनीति बनाई जा सके।

विधानसभा घेराव के बाद पंचायत सचिवों ने शुरू किया अनिश्चितकालीन हड़ताल

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 मार्च 2025 (घटती-घटना)। पंचायत सचिवों ने शासकीयकरण से जुड़ी मांग को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसके तहत 17 मार्च को लामबंद होकर सांकेतिक विधानसभा घेराव के बाद अब उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। बहरहाल पंचायत चुनाव बीतने के बाद नवनिर्वाचित सरपंचों को जहां जिला प्रशासन प्रशिक्षण दे रही हैं वहीं दूसरी तरफ पंचायत सचिवों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से ग्राम पंचायत से जुड़ी तमाम गतिविधियां ठप्प पड़ने के आसार हैं। वहीं इस मुद्दे पर चर्चा करने पर सूरजपुर जिले के पंचायत सचिव संघ अध्यक्ष इंद्रपाल तिवारी ने कहा है कि विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने मोदी की गारंटी के तहत पंचायत सचिवों के शासकीयकरण करने का वादा करने के बाद राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कमेटी गठित कर मांग को पूर्ण करने का आश्वासन दिया था लेकिन माह दर माह गुजरने के बाद भी अबतक मांगों को लेकर राज्य सरकार द्वारा किसी भी तरह से कोई कवायद नहीं करने से आहत पंचायत सचिवों ने विधानसभा घेराव के बाद जिले के सभी 06 विकासखंड मुख्यालय में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। बहरहाल यह हड़ताल कितने दिनों तक चलेगी और सरकार इस पर क्या कदम उठाएगी, यह देखने वाली बात होगी।

हड़ताल का असर

पंचायत सचिवों की हड़ताल के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक कामकाज ठप हो सकता है। मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी असर पड़ सकता है।

आगे क्या?

पंचायत सचिवों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, तब तक वे अपनी हड़ताल जारी रखेंगे।

गुरशीत एक उत्कृष्ट संगीतज्ञ और कलाकार के रूप में उभर कर सामने आई

मनेन्द्रगढ़ 18 मार्च 2025 (घटती-घटना)। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है,पंख से कुछ नहीं होता,हौसलों से उड़ान होती है, ये पंक्तियाँ गुरशीत कौर खनूजा, जो छत्तीसगढ़ के मनेद्रगढ़ की रहने वाली हैंउन पर पूरी तरह खरी उतरती हैं, गुरशीत एक उत्कृष्ट संगीतज्ञ और कलाकार के रूप में उभर कर सामने आई हैं। उन्होंने बचपन से ही संगीत में रुचि दिखाई और इसी कारण उन्होंने संगीत को अपने करियर का हिस्सा चुना। जिले एवं राज्य स्तर की कई प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के कारण केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। गुरशीत ने अपनी संगीत शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से एम.ए. की डिग्री प्राप्त की और फिर पीएच.डी. के लिए मुंबई का रुख किया। मुंबई में रहकर उन्होंने संगीत के क्षेत्र में और अधिक गहरी समझ विकसित की। वर्तमान में, गुरशीत खनूजा दूरदर्शन के लोकप्रिय कार्यक्रम ÷सिंफनी आफ इंडिया ङ्क भारत की गूंज÷ में अपनी प्रस्तुतियाँ दे रही हैं। इस कार्यक्रम में भारत के लोकगीतों और पारंपरिक गीतों को विशेष स्थान दिया गया है, और यह कार्यक्रम हर दिन शाम 6 से 7 बजे प्रसारित होता है, जिसका पुनः प्रसारण रात 11ः00 बजे से 12ः00 बजे तक होता है। इस कार्यक्रम में नए और अनूठे गीतों को प्रस्तुत किया जा रहा है, और गुरशीत खनूजा अपने शानदार संगीत और प्रस्तुतियों के द्वारा अपने शहर का नाम रोशन कर रही हैं। गुरशीत की यह सफलता उनके समर्पण और मेहनत का प्रतीक है, और यह अन्य कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है।

विधायक भईया लाल राजवाड़े की पहल से धनुहर नाला पर बनेगा उच्चस्तरीय पुलः संदीप दुबे

6 करोड़ की लागत से होगा निर्माण राशि हुई स्वीकृत दुर्घटना से मिलेगा निजात

-संवाददाता-
कोरिया,18 मार्च 2025 (घटती-घटना)। बैकुंठपुर से बिलासपुर मार्ग पर स्थित धनुहर नाला पर जल्द ही उच्चस्तरीय पुल का निर्माण किया जाएगा। बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े की पहल और कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के प्रयासों से इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिली है। छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग ने इस पुल के लिए 609.31 लाख रुपये (6 करोड़ 9 लाख रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष संदीप दुबे ने यह जानकारी देते हुए कहां की इस पुल के बनने दुर्घटना से मिलेगी निजात, यह स्थानीय विधायक की सराहनीय पहल है और क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी यह पुल दुर्घटना के लिए प्रसिद्ध था दुर्घटना की वजह से यहां पर कई जाने जा चुकी हैं इस पुल के बनने दुर्घटना नहीं होगा और लोगों का आवागमन सुगम होगा।

समाज को मिलेगा लाभःश्रीमती त्रिपाठी

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बताया कि यह पुल केवल आवागमन का साधन नहीं होगा, बल्कि स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। शासन की प्राथमिकता है कि हर आवश्यक अधोसंरचना को समय पर पूरा किया जाए। अब क्षेत्रवासी जल्द ही इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण कार्य की शुरुआत होते देखेंगे, जिससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी आसान होगी और विकास को नई दिशा मिलेगी।

यातायात होगा सुगम,आम लोगों को मिलेगी राहत

धनुहर नाला पर संकरी पुल होने के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। भारी वाहनों का आवाजाही होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी होती थीं। जलभराव और अव्यवस्थित मार्ग के चलते आए दिन दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता था। अब इस पुल के निर्माण से क्षेत्रवासियों, वाहन चालकों को राहत मिलेगी और बैकुंठपुर-बिलासपुर मार्ग पर यातायात सुगम होगा।

निविदा प्रक्रिया से पहले डीपीआर बनेगा

लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पुल के लिए तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद डीपीआर (दैनिक प्रगति रिपोर्ट) बनेगा ततपश्चात निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इस परियोजना को जवाहर सेतु योजना के तहत क्रियान्वित किया जाएगा और इसका निर्माण केवल शासकीय भूमि पर ही किया जाएगा।

विकास कार्यों को मिली रफ्तारःश्री राजवाड़े

इस परियोजना की स्वीकृति से स्पष्ट है कि क्षेत्रीय विकास को लेकर सरकार और प्रशासनिक अधिकारी गंभीर हैं। विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े ने कहा कि यह पुल क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग थी, जिसे पूरा किया जा रहा है। यह बैकुंठपुर और बिलासपुर के बीच यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाएगा।

शादी में एमएस धोनी को देखा और उड़ गए होश...हरभजन सिंह ने खोला बड़ा राज,आईपीएल में इस वजह से माही की चलती है...

नई दिल्ली,18 मार्च 2025। आईपीएल दुनिया का इकलौता ऐसा टूर्नामेंट है जहां क्रिकेट फैंस को अभी भी एमएस धोनी को खेलते देखने का मौका मिलता है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी 2025 सीजन में एक कड़ी ट्रेनिंग के बाद वापसी कर रहे हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में ही खेलते हैं, इसलिए 43 साल की उम्र में अपनी फिटनेस बनाए रखना एक मुश्किल काम है।

हाल ही में, भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह एक शादी में धोनी से मिले। धोनी को देखकर हरभजन सिंह हैरान रह गए कि वे कितने फिट दिख रहे थे। हरभजन ने धोनी से आईपीएल की तैयारी के बारे में सवाल पूछे। हरभजन ने बताया कि धोनी आईपीएल के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और घंटों तक प्रैक्टिस कर रहे हैं। आकाश चोपड़ा ने भी धोनी के बैटिंग ऑर्डर को लेकर बात की। धोनी अक्सर खुद को नंबर 7 या 8 पर बैटिंग करने भेजते हैं क्योंकि वे अपनी क्षमता को अच्छी तरह समझते हैं। हरभजन सिंह ने बताया कि धोनी की फिटनेस देखकर वे हैरान थे। उन्होंने धोनी से पूछा कि इस उम्र में यह सब करना मुश्किल नहीं है? धोनी ने जवाब दिया, हां, यह मुश्किल है,लेकिन यही एक चीज है जो मुझे पसंद है। मुझे इसमें खुशी मिलती है। मैं इसे करना चाहता हूं, बाहर जाना चाहता हूं और खेलना चाहता हूं। जब तक भूख है, तब तक आप इसे कर पाएंगे। बिना क्रिकेट खेले यह मुश्किल है।

हरभजन ने कहा, धोनी दिखा रहे हैं कि यह कैसे किया जाता है। वे दूसरों से बेहतर कुछ कर रहे होंगे। वे सिर्फ टिके नहीं हैं, वे सभी गेंदबाजों पर हावी हो रहे हैं। हरभजन ने बताया कि धोनी चेन्नई में कैंप में शामिल होने के बाद से हर दिन 2-3 घंटे तक नेट्स में बैटिंग कर रहे हैं। वे सबसे पहले ग्राउंड पर आते हैं और सबसे आखिर में जाते हैं। हरभजन ने कहा कि यही बात उन्हें खास बनाती है।

भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता

आईटीबीपी के घुड़सवार राकेश कुमार अव्वल, ITBP भानु में आयोजन

पंचकूला, 18 मार्च 2025। 43 वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता और घुड़सवार पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आईटीबीपी भानू में सोमवार को जांबाज घुड़सवारों ने दम दिखाया। इसमें पुलिस हॉर्स प्रतियोगिता में आईटीबीपी के अश्व अंबर के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, दूसरा स्थान दिल्ली पुलिस के अश्व तिलक के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल संदीप खटाना और तीसरा स्थान बीएसएफ के अश्व जसन के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल ध्रुव सिंह को मिला।

मेडल रिले प्रतियोगिता में सशस्त्र सीमा बल की टीम-बी के अश्व अप्पू के साथ घुड़सवार सुरेंद्र सिंह, अश्व रेवा के साथ घुड़सवार अमन पाठक और अश्व चैंपियन के साथ घुड़सवार यशपाल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, दूसरा स्थान बीएसएसफ की टीम-ए के अश्व बिल्लू के साथ घुड़सवार कांस्टेबल दिनेश कुमार, अश्व समर प्लेस के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल तेज प्रसाद जोशी और अश्व प्रेम के साथ घुड़सवार कांस्टेबल आकाश कुमार ने प्राप्त किया। तीसरा स्थान चंडीगढ़ पुलिस की टीम-ए के अश्व किरण के साथ घुड़सवार प्रवीण, अश्व सम्राट के साथ घुड़सवार अमित कुमार और अश्व जूलिएट के साथ घुड़सवार चंद्र शेखर आजाद ने किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के घुड़सवारों ने भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स में विजेताओं को पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए।

आरसीबी के लिए ये कैसा पागलपन...

नंगे पैर आग के अंगारों पर चलने लगे फैंस,वीडियो देख हर कोई हैरान

नई दिल्ली, 18 मार्च 2025। आईपीएल 2025 से पहले आरसीबी के जबरा फैंस का वीडियो वायरल हो रहा है। ये फैंस आग के अंगारों पर आरसीबी का नाम जपते हुए चल रहा है। सालों से आरसीबी को सपोर्ट करने वाले ऐसे दीवाने टीम की जीत पर खूब जश्न मनाते हैं। हार में भी खिलाड़ियों का साथ देते हैं। इन फैंस का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। लोग इसे देखकर हैरान हैं।

फैंस ने पार की सारी हदें

इन फैंस ने सारी हदें पार कर दीं। ये फैन आग के अंगारों पर चल रहे थे और आरसीबी का नाम चिल्ला रहे थे। इस फैंस ने आरसीबी की जर्सी भी पहनी हुई थी। आस-पास खड़े लोग ये देखकर हंस रहे थे। आरसीबी उन टीमों में से है, जिसने आज तक आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। टीम ने कई कप्तान और कोच बदले, लेकिन ट्रॉफी उनके नाम नहीं हुई। इस बार टीम की कप्तानी रजत पाटीदार को दी गई है। टीम नए उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी।

सिंधू का सामना मालविका से, पुरुष एकल में लक्ष्य देंगे प्रणय को चुनौती; फॉर्म हासिल करने पर नजरें

बासेल, 18 मार्च 2025। स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 2,50,000 डॉलर इनामी राशि के स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। सिंधू का सामना भारत की दूसरे नंबर की मालविका बंसोड़ से होगा। वहीं, लक्ष्य भी भारत के ही एच एस प्रणय से खेलेंगे जो यहां 2016 में खिताब जीत चुके हैं।

ऑल इंग्लैंड में खराब रहा था प्रदर्शन

सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी। मालविका ने हालांकि सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। लक्ष्य ऑल इंग्लैंड के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जबकि प्रणय पहले दौर में बाहर हो गए थे। स्विस ओपन में भारतीयों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। सिंधू, किदांबी श्रीकांत, प्रणय, समीर वर्मा, साइना और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग खिताब जीत चुके हैं।

ओलंपिक के बाद पहली बार भिड़ेंगे लक्ष्य-प्रणय

लक्ष्य और प्रणय की पेरिस ओलंपिक के बाद एक-दूसरे से पहली भिड़ंत होगी। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे किरण जॉर्ज का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके से होगा, जबकि प्रियांशु राजावत स्विट्जरलैंड के कुएंजी से खेलेंगे। महिला एकल में आकर्षि कश्यप और अनुपमा उपाध्याय भी खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा और गायत्री गोपीचंद की भी मजबूत चुनौती रहेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाड़ी पहुंचे चंडीगढ़,पीसीए में पांच अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स से होगा मैच

चंडीगढ़,18 मार्च 2025। पीसीए क्रिकेट स्टेडियम मुल्लांपुर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सीजन के पहले मुकाबले का आगाज पांच अप्रैल को होगा। पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच होगा। इसके लिए खिलाड़ियों का सिटी ब्यूटीफुल में पहुंचना शुरू हो गया है।

पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी की तरफ से मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम व धर्मशाला क्रिकेट मैदान को अपना होम ग्राउंड बनाया गया है। जिसके तहत मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में 4 मैच व धर्मशाला में 3 मैच खेले जाएंगे।

पंजाब किंग्स की टीम पिछले दिनों धर्मशाला में अपना शिविर लगाने के बाद चंडीगढ़ पहुंच गई है। इनमें टीम में कुछ विदेशी खिलाड़ी भी जुड़ चुके है,बाकि के विदेशी खिलाड़ी एक दो दिन में शहर पहुंच जाएंगे। शहर पहुंचने वाले पंजाब किंग्स की टीम से कप्तान श्रेयर अय्यर के साथ अर्शदीप सिंह, लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल, हरप्रीत बराड़, मार्कस स्टोइनिस शामिल हैं। वहीं टीम के खिलाड़ियों ने सोमवार को पीसीए क्रिकेट स्टेडियम पहुंचकर अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

महिला खिताब हटाने पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने स्पष्ट किया रुख,बोले...नहीं छीन सकते अधिकार

नई दिल्ली,18 मार्च 2025। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने साफ कर दिया है कि उसका महिलाओं के खिताब (महिला ग्रैंडमास्टर आदि) हटाने का कोई इरादा नहीं है। फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की का कहना है कि ऐसा करना महिलाओं से उनके अधिकार छीनना और महिला प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा।

सुतोवस्की ने कहा, पिछले वर्षों में शीर्ष पर मौजूद महिला शतरंज खिलाड़ियों की रेटिंग में काफी गिरावट आई है, इसलिए उन्हें महिलाओं की इवेंट की जरूरत है, जिसमें खेल कर वह अपने में सुधार कर सकें। महिला शतरंज में पुरस्कार राशि बढ़ाए जाने के बावजूद महिला शतरंज लगभग 15 वर्ष पीछे है। पहले हमें 15 से 17 वर्ष की आयु में 2500 की रेटिंग वाली महिला खिलाड़ी मिल जाती थीं, लेकिन आज हमारे पास 17 से 18 वर्ष की आयु में 2400 की रेटिंग वाली दो खिलाड़ी मौजूद हैं।

पोल्गर की मांग का वैशाली ने किया समर्थन

दिग्गज खिलाड़ी हंगरी की जूडिथ पोल्गर आवाज उठा रही हैं कि महिला शतरंज के खिताबों को खत्म कर देना चाहिए। उनका समर्थन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया। उन्होंने कहा, महिला खिताब हटाने से महिलाओं को ग्रैंडमास्टर हासिल करने की ज्यादा प्रेरणा मिलेगी।

ऐसे तो महिला शतरंज खत्म हो जाएगा

ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से का कहना है कि महिलाओं के खिताब हटाने से महिला शतरंज खत्म हो जाएगी। जूडिथ पुरुषों के साथ खेलती थीं। लेकिन उनकी बहन सुसान ने महिलाओं के साथ खेलना नहीं छोड़ा। वैशाली को जितने भी पुरस्कार मिले हैं, उनमें महिला शतरंज के खिताबों का योगदान है।

टीम नहीं पूरी तबाही, कोई तूफान तो कोई सुनामी...

इस टीम का आईपीएल 2025 जीतना क्यों लगभग पक्का?

नई दिल्ली,18 मार्च 2025। पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 में तूफान मचा दिया था। उन्होंने बहुत आक्रामक बल्लेबाजी की। तीन बार 250 से ज़्यादा रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 287 रन बनाकर IPLइतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी अभी भी टीम में हैं। नीलामी में ईशान किशन को भी शामिल किया गया है। इसलिए एसआरएच अपनी रणनीति बदलने की संभावना नहीं है। टीम में गहराई लाने के लिए, वे कामिंदु मेंडिस को शामिल कर सकते हैं।

अभिषेक शर्मा, हेड, क्लासेन, ईशान और नीतीश रेड्डी के रूप में एसआरएच के पास टॉप पांच बल्लेबाज बहुत अच्छे हैं, लेकिन उनके पास ज्यादा भारतीय बल्लेबाज नहीं हैं। अनिकेत वर्मा का यह पहला सीजन है। अभिनव मनोहर ने 2024 में सिर्फ दो मैच खेले थे। सचिन बेबी ने आखिरी बार IPL2021 में खेला था। पैट कमिंस, हेड और क्लासेन विदेशी खिलाड़ी के तौर पर टीम में रहेंगे।

मोहम्मद शमी के आने से टीम को मिली नई धार, पर्पल पटेल भी मौजूद

एसआरएच ने पैट कमिंस को टीम में रखा है। जयदेव उनादकट को भी वापस टीम में शामिल किया है। लेकिन 2025 में उनकी गेंदबाजी बिल्कुल नई होगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी नई गेंद से शुरुआत कर सकते हैं। टीम में मोहम्मद शमी और कमिंस के अलावा उनादकट के साथ हर्षल पटेल और राहुल चाहर भी होंगे। भुवनेश्वर कुमार 2014 से एसआरएच के साथ थे, लेकिन अब वे टीम में नहीं हैं। इसलिए शमी नई गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं।

विदेशी गेंदबाजों में एसआरएच के पास एडम जम्पा और विआन मुल्डर जैसे विकल्प हैं। रेड्डी, अभिषेक, हेड और कामिंदु भी कुछ ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। गेंदबाजों और बल्लेबाजों की लिस्ट के अलावा अगर संभावित प्लेइंग-11 पर नजर डालेंगे तो पाएंगे कि यह टीम फिलहाल सबसे खतरनाक है। आंकड़े गवाही देते हैं।

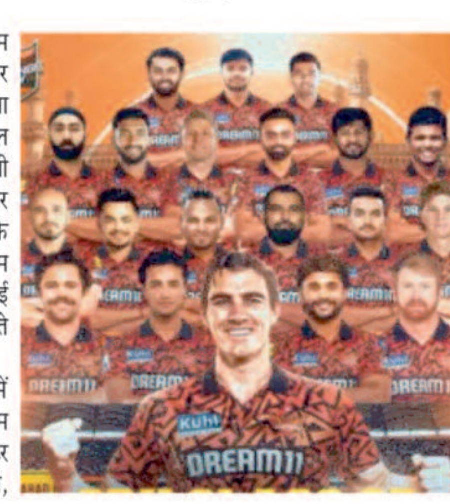

आईपीएल 2024 में टीम का कैसा रहा प्रदर्शन?

2024 में SRH ने छह वर्षों में अपना पहला फाइनल खेला।

उन्होंने अपने पहले सात मैचों में पांच जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत की। आखिरकार, तीन और जीत और एक रद्द मैच ने उन्हें ग्रुप स्टेज के अंत में राजस्थान रॉयल्स (RR) के साथ 17 अंकों पर बराबर कर दिया, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण SRH दूसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद वे क्वालीफायर-1 में कोलकाता नाइटराइडर्स (KKR) से हार गए, लेकिन क्वालीफायर 2 में RR को हराकर फाइनल में पहुंचे, जहां वे फिर से कै से हार गए।

सनराइजर्स हैदराबाद की संभावित प्लेइंग-11 (इम्पैक्ट प्लेयर सहित)

- ट्रैविस हेड
- अभिषेक शर्मा
- ईशान किशन (विकेटकीपर)
- नीतीश कुमार रेड्डी
- हेनरिक क्लासेन
- अनिकेत वर्मा
- अभिनव मनोहर
- पैट कमिंस (कप्तान)
- हर्षल पटेल
- राहुल चाहर
- मोहम्मद शमी
- एडम जम्पा

पुष्पा 3 : द रैम्पेज के लिए करना होगा 3 साल इंतजार,2028 में होगा प्रदर्शन

वर्ष 2024 दिसम्बर 5 को प्रदर्शित हुई निर्देशक सुकुमार की अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2 द रूल भारतीय सिने इतिहास की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स फिल्मों में शामिल हुई थी। इस फिल्म के अन्त में इसके तीसरे भाग की घोषणा की गई थी। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग पुष्पा 3 द रैम्पेज के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की है। यह फिल्म वर्ष 2028 में प्रदर्शित होगी। ज्ञातव्य है कि पुष्पा 2 -द रूल ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए करीब 1,750 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स में से एक बन गई। अब, निर्माता रविशंकर ने पुष्टि की है कि पुष्पा 3 साल 2028 में रिलीज होगी।इस देरी के पीछे मुख्य वजह अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्में हैं। पहले उन्हें निर्देशक एटली के साथ एक फिल्म पूरी करनी है, फिर वह त्रिविक्रम संग एक और प्रोजेक्ट में काम करेंगे। इन दोनों फिल्मों के अगले दो सालों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, पुष्पा के निर्देशक सुकुमार भी पहले सुपरस्टार राम चरण के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम करेंगे और उसके बाद पुष्पा 3 पर फोकस करेंगे।अल्लू अर्जुन की पुष्पा फ्रैंचाइज़ी हर फिल्म के साथ एक नया मुकाम हासिल कर रही है। हाल ही में फिल्म के डायलॉग राइटर श्रीकांत विसा ने खुलासा किया कि पुष्पा 3 अपने पिछले भाग पुष्पा 2 की तुलना में और भी बड़ी, भव्य और दमदार होने वाली है।

इस बार फिल्म में दर्शकों को नए किरदारों के साथ पहले से भी ज्यादा शानदार एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा।मेकर्स फिल्म के विलेन के लिए एक बड़े बॉलीवुड स्टार को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं, जिससे फिल्म को और भी बड़ा बनाया जा सके। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि 2021 में रिलीज़ हुई पुष्पा- द राइज़ ने वर्ल्डवाइड 350 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी और यह साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई थी। इसके बाद, पुष्पा 2 -द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए जबरदस्त ओपनिंग हासिल की और अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।अब पुष्पा 3 को मेकर्स इसे पहले से भी ज्यादा भव्य और ग्रैंड बनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं, जिससे यह एक और ऐतिहासिक सफलता दर्ज कर सके।

शुभांगी अत्रे ने कहा,फिल्म की शूटिंग और टीवी शो की शूटिंग में अंतर होता है

दर्शकों के पसंदीदा शो भाभीजी घर पर हैं पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में शो के मूल कलाकार ही मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।शो में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली शुभांगी अत्रे इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।शुभांगी ने कहा, मैं एक एक्टर और एक कलाकार हूं, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि माध्यम क्या है, चाहे वह टीवी, फिल्में, ओटीटी या थिएटर हो, मैं पूरी लगन और अनुशासन के साथ अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास करती हूं। बेशक, भाभीजी घर पर हैं पर अब एक फिल्म बनाई जा रही है, इसलिए काम काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम टेलीविजन पर करते हैं। लेकिन फिर भी, एक अलग तरह की घबराहट और उत्साह होता है।उन्होंने कबूल किया कि किसी फिल्म की शूटिंग करना टीवी शो की शूटिंग से बिल्कुल अलग होता है।शुभांगी ने कहा, भले ही मैं वर्षों से अंगूरी का किरदार निभा रही हूं, लेकिन फिल्म के लिए परफॉर्म करना अलग लगता है। हालांकि, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं और अपनी पूरी कोशिश कर रही हूं, जैसा कि मैं हमेशा करती हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं, लेकिन साथ ही, मैं थोड़ी नर्वस भी महसूस कर रही हूं। मैं बस अपने प्रशंसकों से ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहती हूं।उन्होंने कहा, सबसे पहले, हमारी फिल्म में कुछ नए कलाकार शामिल हुए हैं।

महत्वपूर्ण खबर

पत्नी के खिलाफ एसडीएम से शिकायत,पति ने लगाया ईसाई धर्म को मानने का आरोप

रायपुर,18 मार्च 2025। पुलिस की ओर से की जा रही लगातार कार्रवाई के बाद भी छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के मामले कम नहीं हो रहे हैं। बस्तर और सरगुजा से लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इसी बीच अब कांकेर जिले में पत्नी के ईसाई धर्म अपनाने से नाराज एक शख्स ने एसडीएम से मदद की गुहार लगाई है। उसने भानुप्रतापपुर के पास्टर के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

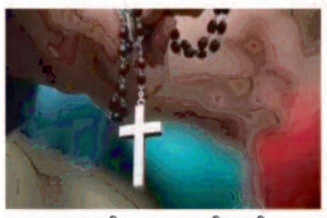

मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला पखांजूर के संगम गांव का है। यहां का रहना वाला श्रीवास नाग की पत्नी अपना धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना ली है। वह अपने पति और पुत्र का त्याग करने को भी तैयार है। समाज और परिवारजनों ने काफी समझाने का प्रयास किया,लेकिन महिला नहीं मानी और बैठक के बीच अपना मंगलसूत्र और दांपत्य जीवन की आवश्यक समान उतारकर चली गई। इसके बाद पीड़ित वह एसडीएम कार्यालय पहुंचा और शिकायती पत्र सौंपा। उसने भानुप्रतापपुर के पास्टर के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

पत्नी के धर्म परिवर्तन से परेशान पति ने कहा कि उसकी पत्नी धर्म परिवर्तन कर दूसरे धर्म में जा रही है। काफी समझाने के बाद भी नहीं समझ रही। उसका एक छोटा पुत्र भी है, लेकिन वह पुत्र और परिवार का त्याग करने को तैयार है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड में 72 लोग गवाह बने,चार्जशीट पेश की गई

बीजापुर,18 मार्च 2025। जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्या मामले में SIT ने कोर्ट में 1200 से ज्यादा पन्नों की चार्जशीट पेश की है। चार्जशीट और केस डायरी लेकर IPS मयंक गुर्जर बीजापुर व्यवहार न्यायालय पहुंचे।

इस हत्याकांड मामले में SIT ने कुल 72 लोगों को गवाह बनाया है। मामला बीजापुर सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। हत्याकांड की जांच के लिए राज्य सरकार ने 10 सदस्यीय जांच टीम (SIT) का गठन किया था। वहीं करीब 2 महीने तक जांच करने के बाद SIT की टीम ने जांच रिपोर्ट बनाई। जिसे आज 18 मार्च को कोर्ट में पेश किया गया है।

IPS और बीजापुर ASP मयंक गुर्जर ने कहा कि पूरी जांच के दौरान डिजिटल और फिजिकल साक्ष्य को बारीकी से देखा गया है। हमारी पूरी कोशिश है कि चारों आरोपियों को मान्यनीय न्यायालय से सख्त से सख्त सजा मिले।

आज युकेश चंद्राकर ने किया ट्वीट - मेरे भाई के केस में, पत्रकार संगठनों के द्वारा तय किये जाने वाले निर्णयों में मेरी और मेरे परिवार की सहमति है, विशेष अभियोजक की नियुक्ति के लिए चल रही चर्चा सार्थक है। हमारा साथ देने के लिए आप सबको प्रेम, आप सबको साधुवाद

सचिन पायलट कल रायपुर आएंगे,पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मिलने जेल जाएंगे,पीसीसी की बैठक में होंगे शामिल

रायपुर,18 मार्च 2025। एआईसीसी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट बुधवार सुबह रायपुर प्रवास पर आ रहे हैं। वे सुबह 10 बजे सेंट्रल जेल रायपुर जाकर कांग्रेस विधायक एवं पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मुलाक़ात करेंगे। उसके बाद मीडिया से चर्चा करेंगे।

सचिन पायलट दोपहर को 2 बजे राजीव भवन में कांग्रेस की पीएसी की बैठक में शामिल होंगे। बैठक में निकाय एवं पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर मंथन होगा। बैठक के बाद वो शाम 5 बजे नियमित विमान से दिल्ली वापस जाएंगे।

अब बिलासपुर से हैदराबाद जाना होगा आसान,कनेक्टिवीटी के लिए ट्रायल शुरू

रायपुर, 18 मार्च 2025। शहर के बिलासादाई केंवटीन एयरपोर्ट में लगातार फ्लाइट की संख्या बढ़ाने के लिए मांग उठती रही है। वहीं इस बार समर वेकेशन को ध्यान में रखते हुए अलायंस एयर कंपनी ने हैदराबाद के लिए फ्लाइट शुरू की है। जो पहले हैदराबाद से कोलकाता आएगी और कोलकाता से बिलासपुर पहुंचेगी। इसका पहला ट्रायल मंगलवार को किया गया। फिलहाल ट्रायल के तौर पर यह विमान चलेगी। जैसे ही यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा इसे नियमित करने की योजना है। इस फ्लाइट से कोलकाता से भी कनेक्टिविटी मिलेगी।

विदीत हो कि काफी समय से बिलासपुर से हैदराबाद के लिए फ्लाइट चलाने की बात की जा रही थी लेकिन किसी न किसी कारण से इसे शुरू नहीं किया जा सका था। मंगलवार को इसका ट्रायल शुरू हुआ। हैदराबाद से बिलासपुर के लिए सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर टेकऑफ होकर बिलासपुर 11 बजकर 30 मिनट पर पहुंची।

महिला प्रोफेसर सेक्सुअल हरासमेंट मामले में होगी बड़ी कार्रवाई

रायपुर,18 मार्च 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र जारी है। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। भाजपा और कांग्रेस के विधायकों ने कई मुद्दों को लेकर मंत्रियों से सवाल किए। प्रश्नकाल के दौरान 2018 में रायपुर आयुर्वेदिक कॉलेज में हुए सेक्सुअल हरासमेंट का मुद्दा उठा।

विधायक भावना बोहरा ने अब तक कार्रवाई नहीं करने का कारण पूछा। भावना बोहरा ने कहा कि शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. जी. आर. चतुर्वेदी पर एक महिला प्रोफेसर ने सेक्सुअल हरासमेंट का आरोप लगाया था। विशाखा कमेटी ने जांच शुरू की तो मामले की जांच समिति में शामिल सरोज परहते को हटा दिया गया। जांच में डॉ. जी. आर. चतुर्वेदी दोषी पाया गया,फिर भी उनका प्रमोशन किया गया। भावना ने दोनों विषयों को लेकर कारण पूछा और कार्रवाई की मांग की है। इस पर मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि घटना दुर्भाग्यजनक है, सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश दिया है। हम 3 दिनों के भीतर इस मामले में कर्रवाई करने जा रहे हैं। आपको बता दें कि शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. जी. आर. चतुर्वेदी महिला प्रोफेसर के साथ अश्लील गाली गलौज करने का आरोप लगा था।

सदन में ध्यानाकर्षण के जरिए भाजपा विधायक के साथ नेता प्रतिपक्ष ने उठाया पीएचई में उप अभियंताओं की भर्ती का मामला, कहा...डिप्लोमाधारी योग्य,लेकिन डिग्रीधारी योग्य नहीं ?

विधानसभा में मंगलवार को ध्यानाकर्षण काल में पीएचई विभाग में उप अभियंताओं की भर्ती का मामला उठा। भाजपा विधायक राजेश मूणत के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने ध्यानाकर्षण लाते हुए कहा कि सिविल इंजिनियरिंग करने वाले डिप्लोमाधारी योग्य, लेकिन डिग्रीधारी योग्य नहीं हैं।

भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि ज्यादा पढ़ने वाले अयोग्य, और कम पढ़ने वाले कैसे योग्य हो जाते हैं. पीडब्ल्यूडी की भर्ती में ये योग्य हो जाते हैं, लेकिन पीएचई की भर्ती में अयोग्य हो जाएंगे। इसमें नियमों का परीक्षण किया या नहीं. 2017 में आपके विभाग ने ही डिग्रीधारी को सब इंजीनियर बनाया था, आज क्यों नहीं?

इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि प्रदेश में 30 से अधिक पॉलिटेक्निक कॉलेज हैं, जिनसे हर साल 8 हजार युवा पढ़कर निकलते हैं। सबके लिए अलग-अलग भर्ती नियम और व्यवस्था है. 1977 से यही भर्ती नियम चला आ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला, निर्देश मानेंगे या नहीं मानेंगे। इस पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू नहीं होता। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि उप अभियंता (एई) के 75 प्रतिशत पोस्ट पदोन्नति के होते हैं. आज जो डिप्लोमा वाले भर्ती होंगे, भविष्य में एई नही बन पाएंगे, क्योंकि डिग्री धारी होना जरूरी है. व्यवस्था बिगड़ जाएगी।

10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा का मूल्यांकन 26 मार्च से होगा शुरू, मई तक आएंगे नतीजे

रायपुर,18 मार्च 2025। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजीबीएसई) की 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य 26 मार्च 2025 से शुरू होने जा रहा है। इस साल परीक्षा में शामिल हुए 5.71 लाख परीक्षार्थियों के परिणाम मई 2025 तक घोषित होने की संभावना है।मूल्यांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए प्रदेश भर में 36 मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं। बोर्ड अधिकारियों के अनुसार, 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 24 मार्च तक और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 28 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के समापन के तुरंत बाद मूल्यांकन कार्य शुरू हो जाएगा, ताकि परिणाम समय पर घोषित किए जा सकें।

इस बार बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में हिस्सा लिया है,जिसमें 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के परीक्षार्थी शामिल हैं। मूल्यांकन केंद्रों पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, और शिक्षकों की टीम को इस कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। बोर्ड का लक्ष्य है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता बनी रहे। छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे परिणामों की आधिकारिक घोषणा के लिए छत्तीसगढ़ बोर्ड की वेबसाइट पर नजर रखें।

छत्तीसगढ़ के नाम एक और उपलब्धि

खनिज राजस्व में 30 गुणा हुई वृद्धि,देश में पहली बार खनिज-लिथियम ब्लॉकों की हुई नीलामी

रायपुर,23 जनवरी 2025। छत्तीसगढ़ के खनिज राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के गठन के समय की तुलना में खनिज राजस्व में 30 गुणा वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 13 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक ही 11 हजार 581 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। खनिज संसाधनों के सुव्यवस्थित उत्खनन के चलते बीते वर्षों में अब तक की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी सफलतापूर्वक की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है। प्रदेश में अब तक 10 क्रिटिकल और डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स की नीलामी हो चुकी है।

केंद्र सरकार ने क्रिटिकल और सामरिक महत्व के खनिजों के लिए राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा जनवरी, 2025 में की थी। जिसके बाद मिशन के तहत वर्ष 2024-25 से ही क्रिटिकल और सामरिक महत्व के खनिजों के जांच, खोज पर विशेष ध्यान दिया गया। अभी 56 अन्वेषण प्रोजेक्ट्स में से 31 के तहत क्रिटिकल और डीप सीटेड मिनरल्स पर काम हो रहा है। अब तक 10 क्रिटिकल और डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स जिसमें लिथियम का 1,

स्वर्ण का 3, निकल,क्रोमियम का 2, ग्रेफाइट का 2 ग्लूकोनाइट के 2 मिनरल ब्लॉक की नीलामी की गई है।

देश में पहली बार खनिज लिथियम ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी हुई है। कोरबा के कटघोरा लिथियम ब्लॉक को मेसर्स साउथ मायकी माइनिंग कंपनी को 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि पर आबंटित किया गया है। राज्य के सुकमा और कोरबा जिले में भी लिथियम अन्वेषण कार्य किया जा रहा है। जिसमें लिथियम के भण्डार पाये जाने की पूर्ण संभावना है।

बैलाडीला क्षेत्र भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडारों में से एक है। यहां तीन नए लौह अयस्क ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया जारी है, जिसे मार्च 2025 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा कांकेर जिले के हाहालद्दी लौह अयस्क खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है।

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए खनन क्षेत्र को अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक रूप से संचालित करने के लिए सरकार ने कई नई पहल की हैं। सेटेलाइट इमेजरी और माइनिंग सर्विलियेंस सिस्टम के माध्यम से अवैध खनन की निगरानी की जा रही है। गौण खनिज खानों में सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक पद्धति से खनन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार बेहतर कार्य करने वाले पट्टेधारियों को 'स्टार रेटिंग' प्रणाली के तहत प्रोत्साहित कर रही है।

खनिज राजस्व का एक बड़ा हिस्सा प्रदेश के सामाजिक विकास में निवेश किया जा रहा है। जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1 हजार 673 करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई है, जिससे शिक्षा,स्वास्थ्य,सड़क,पेयजल और कौशल विकास सहित 9 हजार 362 विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हो रहा है।

राज्य सरकार ने चूना पत्थर,बॉक्साइट, लौह अयस्क और ग्रेफाइट सहित कुल 13 खनिज परियोजनाओं में अन्वेषण कार्य शुरू किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षणों में चूना पत्थर के 283 मिलियन टन, लौह अयस्क के 67 मिलियन टन और बॉक्साइट के 3 लाख टन भंडार का अनुमान लगाया गया है। स्वर्ण, ग्रेफाइट और ग्लूकोनाइट जैसे खनिजों की खोज भी की जा रही है। इसके अलावा सूरजपुर जिले के जाजावल क्षेत्र में यूरेनियम ब्लॉक के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है।

कोल बेड मीथेन पूर्ववर्ती कोरिया जिले में वेदांता लिमि. एवं ऑईलमैक्स को पेट्रोलियम अन्वेषण लायसेंस स्वीकृत किया गया है। मैंगनीज ओर इंडिया लि. (मोईल) द्वारा सीएमडीसी के साथ प्रदेश में प्रथम बार बलरामपुर क्षेत्र में खनिज मैगनीज का भंडार चिन्हित किया गया है। मुख्य खनिजों के जांच के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की स्थापना की है। इसी तर्ज पर खनिज विभाग राज्य के गौण खनिजों के व्यवस्थित विकास और जांच के लिए राज्य खनिज जांच ट्रस्ट की स्थापना की योजना पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात,नक्सलवाद के अंत और बस्तर के विकास पर हुई चर्चा

रायपुर,18 मार्च 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने दो दिवसीय प्रवास में देर शाम नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस बैठक में नक्सलवाद के समूल अंत और बस्तर के तेजी से विकास पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में बताया कि नक्सलवाद अब कमजोर पड़ चुका है। राज्य और केंद्र सरकार की संयुक्त रणनीति से नक्सली संगठनों की ताकत खत्म हो रही है।

सरकार की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 से बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। हाल ही में बीजापुर जिले में 9 इनामी नक्सलियों समेत 19 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं का लाभ दे रही है।

सरकार बस्तर में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर रही है। युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य है कि बस्तर संघर्ष की भूमि की बजाय विकास का नया केंद्र बने।

बैठक में बस्तर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर भी विचार हुआ। बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की योजना बनाई जा रही है। सरकार क्षेत्र में पर्यटकों के लिए इको-टूरिज्म, जंगल सफारी और साहसिक खेलों को बढ़ावा दे रही है। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

आने वाले समय में और बड़े फैसले संभव

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई तेज हो रही है,जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित हो सके। आने वाले समय में बस्तर में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

बलौदाबाजार अग्निकांड : आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट में पेश कर मांगी रिमांड

बलौदाबाजार,18 मार्च 2025। 10 जून 2024 को बलौदाबाजार कलेक्टर कार्यालय में हुए तोड़फोड़ और अग्निकांड मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में आम आदमी पार्टी का जिलाध्यक्ष भुनेश्वर डहरिया भी शामिल है. पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगी है।

अभिषेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया,पुलिस ने अब तक इस मामले में 191 आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है। आरोपियों में बहुतों को न्यायालय से जमानत भी मिल चुकी है। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस अभी भी अग्निकांड में संलिप्त आरोपियों की तलाश कर रही है।

ये आरोपी पकड़े गए

दीपक धृतलहरे पिता विजय धृतलहरे उम्र 32 वर्ष सकिन दशरमा

सुशील बंजारे पिता शत्रुघ्न बंजारे उम्र 32 वर्ष साकिन भाटागांव

भुवनेश्वर सिंह डहरिया पिता भुवन सिंह डहरिया उम्र 27 वर्ष गार्डन चौक बलौदाबाजार

बता दें कि 15 और 16 मई 2024 की दरमियानी रात कुछ असामाजिक तत्वों ने गिरौधपुरी धाम में सतनामी समाज के धार्मिक स्थल के पूज्य जैतखाम में तोड़फोड़ की थी। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की इस कार्रवाई से समाज के लोग असंतुष्ट थे और न्यायिक जांच की मांग कर रहे थे। जिसके बाद गृहमंत्री विजय शर्मा ने न्यायिक जांच की घोषणा की. वहीं 10 जून को जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में हजारों लोग कलेक्ट्रेट के पास एकत्र हुए और जमकर हंगामा किया। जहां प्रदर्शन हिंसक हो गया। जिसके बाद उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। इस हिंसक घटना में सरकारी संपत्तियों को 12.53 करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचा था। मामले में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 43 मामलों में 187 लोगों को गिरफ्तार किया था।

रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष बने संदीप साहू...कांग्रेस ने तैयार कर ली पदाधिकारियों की लिस्ट

रायपुर, 23 जनवरी 2025। राजधानी रायपुर में मीनल चौबे के महापौर बनने के बाद नगर निगम में नई राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस ने नगर निगम में अपने पार्षद दल के पदाधिकारियों की नियुक्ति की सूची तैयार कर ली है। इसमें संदीप साहू को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस ने संदीप साहू को नगर निगम में विपक्ष का नेता बनाया है। वहीं जयश्री नायक को पार्षद दल का उप नेता बनया गया है। इतना यही नहीं कांग्रेस ने शेख मुशीर को पार्षद दल का प्रवक्ता बनाया है। बता दें कि, संदीप साहू कांग्रेस के सात पार्षदों में सबसे सीनियर पार्षद हैं। वहीं रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर निगम में सभी नेताओं के नाम की जानकारी भेज दी है। बताया जा रहा है कि इस सूची पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे के हस्ताक्षर हो चुके हैं और जल्द ही इसे आधिकारिक रूप से जारी किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)